मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 214
बुधवार, 19 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

रणनीतिक स्तर तक पहुंचेंगे भारत-कतर संबंध, समझौते पर हस्ताक्षर, उर्जा क्षेत्र में भी मजबूत होगी साझेदारी

नई दिल्ली, 18 फरवरी। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने मार्च 2015 में आखिरी बार भारत का दौरा किया था। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2024 में अपना दूसरा कतर का दौरा किया, तो उन्होंने अमीर को भारत का राजकीय दौरा करने के लिए आमंत्रित किया था। कतर के अमीर के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है, जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल हैं। आने वाले गणमान्य व्यक्तियों में कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) के सचिव (कांसुलर, पासपोर्ट और वीजा) अरुण कुमार चटर्जी ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज सुबह राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर का औपचारिक स्वागत किया। राष्ट्रपति (मुर्मू) आज शाम को भी अमीर और उनके प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगी और उनके सम्मान एक रात्रिभोज का आयोजन भी करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने भारत-कतर के बीच ऐतिहासिक व्यापार, लोगों के आपसी संबंधों को और मजबूत

करने पर चर्चा की।

मंत्रालय ने आगे बताया कि भारत और कतर ने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। दोनों नेताओं के बीच चर्चा में व्यापार, निवेश और उर्जा प्रमुख विषय थे। आज भारत और कतर के बीच सालाना करीब 14 अरब डॉलर का व्यापार होता है। दोनों पक्ष अगले पांच वर्षों में इसे दोगुना करने का लक्ष्य तय करने पर सहमत हुए हैं। कतर भारत में निवेश के लिए भी एक महत्वपूर्ण भागीदार देश है।इसने आगे कहा, कतर निवेश प्राधिकरण ने वर्तमान में भारत में करीब 1.5 अरब डॉलर का विदेशी निवेश किया है। दोनों नेताओं ने भारत में उन क्षेत्रों की भी पहचान की, जिनमें कतर निवेश प्राधिकरण निवेश बढ़ा सकता है।भारत और कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्रियों की सह-अध्यक्षता में आज संयुक्त बिजनेस फोरम का आयोजन किया गया। जिसमें दोनों देशों के शीर्ष उद्योगपतियों, कंपनियों और संस्थानों के बीच काफी सार्थक बातचीत हुई।

विदेश मंत्रालय के सचिव अरुण कुमार चटर्जी ने आगे कहा, भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) इस समय एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहे हैं।

दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, एक्सपर्ट कमेटी बनाने की मांग

नई दिल्ली, 18 फरवरी। 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ के आलोक में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में भीड़ प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश और उपाय तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के गठन की मांग की गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। प्रयागराज जहां महाकुंभ चल रहा है। वहां जाने के लिए ट्रेनों में चढ़ने का इंतजार कर रहे यात्रियों की भीड़ बढ़ गई थी। याचिका में कहा गया है कि भगदड़ शनिवार देर रात उस समय हुई जब हजारों लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के इंतजार में जमा थे।

याचिकाकर्ता के अनुसार, हाल ही में प्रयाग में कुंभ मेले में हुई भगदड़ सहित ऐसी कई भगदड़ें हुई हैं, लेकिन भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए संसाधनों और प्रौद्योगिकी की उपलब्धता के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि संसाधनों का आम आदमी के लाभ के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जाता है, बल्कि केवल कुछ वीआईपी के लिए ही उपयोग किया जाता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि आज हमारे पास पर्याप्त बल हैं, स्वयंसेवक हैं, हमारे पास तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है और फिर भी ऐसी घटना घटती है तो यह खेदजनक स्थिति है। कुछ लोगों या वीआईपी लोगों के लिए सरकार सभी प्रौद्योगिकी और खुफिया जानकारी तैनात कर सकती है, लेकिन आम लोगों के लिए उन्हें भगवान की दया पर छोड़ दिया जाता है।

मुख्तार अंसारी की बेनामी संपत्ति की कुर्की को न्यायाधिकरण ने बरकरार रखा

लखनऊ। माफिया से राजनेता बने दिवंगत मुख्तार अंसारी के परिवार को बड़ा झटका देते हुए न्यायाधिकरण ने हाल ही में लखनऊ में उनकी कथित बेनामी संपत्ति की कुर्की को बरकरार रखा है। राजा राम मोहन राय वार्ड के दली अघाड़ी इलाके में स्थित इस संपत्ति को आयकर विभाग ने पिछले साल बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध (पीबीपीटी) अधिनियम के तहत कुर्क किया था।अंसारी के कानूनी उत्तराधिकारियों, जिनमें उनकी पत्नी अफशां अंसारी और बेटे उमर और अब्बास अंसारी शामिल हैं, ने इस कुर्की का विरोध किया। हालांकि, गहन सुनवाई के बाद न्यायाधिकरण ने संपत्ति के बेनामी होने की पुष्टि की और कुर्की को बरकरार रखा। कथित तौर पर इस संपत्ति को फर्जी सौदे के जरिए तनवीर सहर नामक व्यक्ति को 76 लाख रुपये में बेचा गया था।जांच में पता चला कि सहर ने संपत्ति के भुगतान के लिए तीन चेक जारी किए थे, जिनमें से किसी में भी कोई जमा या भुनाया नहीं गया, जिससे पता चलता है कि यह सौदा वैध दिखने के लिए गढ़ा गया था। आयकर जांच के तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त ध्रुवपुरारी सिंह द्वारा आगे की जांच में पता चला कि सहर ने कभी कोई आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया था और उसकी आय का कोई स्पष्ट स्त्रोत नहीं था। उसके पति की आय मात्र 1.74 लाख रुपये बताई गई थी, जिससे संपत्ति के लेन-देन के लिए इस्तेमाल किए गए धन के बारे में संदेह पैदा हुआ।

17 फरवरी सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, राजस्व सचिव और सीबीआईसी अध्यक्ष मौजूद रहे। इस मौके पर अच्छे कार्य करने वाले 20 कस्टम अधिकारियों का चयन प्रोत्साहन के लिए किया गया था। जिसमें इनकम टैक्स कमिश्नर कपिल प्रजापति को भी सम्मानित किया गया। छायाः उत्तरशक्ति

छह लाख से अधिक भक्तों ने किया श्रीकाशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन

- गाजे- बाजे के साथ निकाली गई शोभायात्रा
- महाकुंभ के बाद काशी पहुंचे साधु - संतों की पेशवाई के दौरान किया अपनी शक्ति का प्रदर्शन

सुरेश गांधी

वाराणसी। एक तरफ महाकुंभ के पलट प्रवाह के चलते काशी में आस्थावचानों की भीड़ उमड़ रही है, तो दुसरी तरफ अमृत स्नान से लौटे साधु-संतो ने मंगलवार को आवाहन अखाड़े की पेशवाई निकाली। पेशवाई में बैंड- बाजे के साथ रथ पर सवार साधु- संत काशी की सड़कों पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए दिखे। आवाहन अखाड़े की पेशवाई कबीर चौरा से निकल कर दशाश्वमेध घाट तक पहुंची, जिसमें भारी संख्या में साधु संत सहित नागा बाबा शामिल हुए।

बता दें, सुबह साधु-संतों ने अपने आराध्य देव भगवान गणेश और निशान की पूजा की। खिचड़ी भोज करने के बाद पेशवाई निकाली गई। काशी के दशाश्वमेध घाट पर स्थित श्रीशंभू पंचदशनाम आवाहन अखाड़े को छठी शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने स्थापित किया था। इस अखाड़े को पहले आवाहन सरकार के नाम से जाना जाता था। गुजरात में आवाहन अखाड़े के नागा साधुओं का मुगलों से युद्ध हुआ था। मुगलों ने गुजरात के वीरलगांव के एक स्थान पर नागा

साधुओं को जहर देकर मार दिया था। इसलिए नागा साधु गुजरात का पानी नहीं पीते। ऐसे ही मध्यप्रदेश के छतरपुर में भी नागा साधुओं की समाधियां हैं। इसके अलावा काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं का रेला उमतड़ रहा है। मंगलवार को भी कपाट बंद होने तक छह लराख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। जबकि रात 9 बजे तक यह संख्या 5,25,842 थी।

भोर में मंगला आरती के बाद से ही भक्तों की लाइनें गोदौलिया और मैदागिन तक लगी रहीं। वहीं वीआईपी और प्रोटोकॉल दर्शन भी हो रहे हैं। गर्भगृह के एक द्वार से डबल लाइन में भक्तों को दर्शन कराकर भीड़ प्रबंधन किया जा रहा है। खास यह है कि मंदिर न्यास का अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास जारी लगातार जारी है। सीईओ विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि श्रद्धालुओं से बातचीत कर व्यवस्था का फीडबैक उनके द्वारा लगातार लिया जा रहा है। कतार में लगे श्रद्धालुओं के लिए धूप तेज होने पर छांव की व्यवस्था की गयी है। उन्हें गुड़ और पानी वितरित किया जा रहा है। कई नन्हे भक्तों से बड़े ही वात्सल्य भाव से मुलाकात कर उन्हें महादेव के स्नेह के तौर पर चॉकलेट, चिप्स देकर धाम में स्वागत किया। मंदिर सीईओ विश्वभूषण मिश्रा ने कहा कि गर्भगृह के एक द्वार से दो दो लाइनों में लगे भक्तों को दर्शन कराया जा रहा है। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा के पहल पर ये व्यवस्था लागू की गई है। इससे ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं को दर्शन कराया जा पा रहा है। इसमें एक लाइन में लगे मंदिर के सामान्य श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं।

महाकुंभ मेले में माघी पूर्णिमा स्नान के बाद भी श्रद्धालुओं की भीड़ थमने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन संगम क्षेत्र के आसपास के अलावा शहर की सीमाओं पर वाहनों की लंबी कतार लग रही है। मंगलवार को भी वाराणसी, मिजार्पुर, लखनऊ मार्ग पर श्रद्धालुओं को जाम से घंटों जूझना पड़ा। हालात यह हैं कि राहगीरों को महज आधे घंटे का सफर तय करने में छह से सात घंटे लग रहे हैं। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल तथा डीआरएम लखनऊ डिविजन उत्तर रेलवे सतीश कुमार की अध्यक्षता में प्रयागराज महाकुंभ से पलट प्रवाह के क्रम में आने तथा जाने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ तथा आगामी महाशिवरात्रि पर्व को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा और यात्रा से जुड़ी परेशानियों को लेकर रेलवे स्टेशन पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ाने, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुधारने पर चर्चा हुई। कैंट स्टेशन पर भीड़ के दृष्टिगत अलग-अलग यात्रियों के लिए अलग होल्डिंग एरिया बनायी जायेगी जिसमें सबसे पहले आरक्षित टिकट वालों को, फिर मेन स्टेशन का जो क्षेत्र है उसमें बिहार के यात्रियों, स्टाफ कॉलोनी में अयोध्या जाने वाले यात्रियों तथा मालगोदाम के पास महाकुंभ यात्रियों के लिये अलग-अलग होल्डिंग एरिया बनाया जायेगा ताकि सड़क से ही भीड़ को उनके निर्धारित प्लेटफॉर्म की तरफ डाइवर्ट कर दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जताई उम्मीद, हार से हताश विपक्ष सदन पर नहीं उतारेगा खुन्नस

लखनऊ, 18 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र से पहले कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हार से हताश विपक्ष अपनी खुन्नस सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने बजट सत्र से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा, राज्यपाल का अभिभाषण और बजट महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं, जिसमें विपक्ष ही नहीं, बल्कि सदन का हर सदस्य अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहेगा, सरकार उसका तथ्यात्मक जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हम चाहते हैं कि सदन सार्थक चर्चा का मंच बने। आरोप-प्रत्यारोप या फिर असंसदीय आचरण से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा ह्यह्यउम्मीद करता हूं कि महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से सुदृढ़ व मर्यादित आचरण की शुरूआत होगी। हम उम्मीद करेंगे कि विपक्ष समेत सभी सदस्यगण सदन में ऐसा आचरण दिखाएंगे, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आमजन की आस्था को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बजट सत्र में उत्तर प्रदेश विधानमंडल की कार्यवाही प्रारंभ होने पर सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्यों में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से इस सत्र की शुरूआत होती है। इसी सत्र के दौरान वर्ष भर के लिए राज्य सरकार का बजट भी पारित होता है। अन्य विधायी कार्यों के साथ ही जनहित व राज्य के विकास से जुड़े हुए महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी सदन में चर्चा होती है।

ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

A Unit of Salvation Foundation trust, Kandharpur, Jaunpur
The Culture of Care

SALVATION HOSPITAL

साल्वेशन हॉस्पिटल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना संबद्ध अस्पताल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
प्रदेश के लगभग 6 करोड़ लोगों के लिए 5 लाख रूपये तक के इलाज पूरी तरह से निःशुल्क

24/7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा

आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।

कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर 9138828282, 8686867547

सामाजिक न्याय की पिच पर नई सोशल इंजीनियरिंग अपेक्षित

-ललित गर्ग

विश्व सामाजिक न्याय दिवस सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसमें गरीबी, लैंगिक असमानता, महंगाई, महिला अत्याचार, बेरोजगारी, मानवाधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयास शामिल हैं। यह दिवस प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाता है और यह आयोजन हर साल हमें अधिक निष्पक्ष, अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है ह्यसमावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटनाह्ल। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इसे पहली बार साल 2009 में मनाया गया था। दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी। दुनिया में राजनैतिक विभाजन पहले से अधिक हो रहा है एवं समुदायों में असुरक्षा ज्यादा बढ़ती दिख रही है। हम सब मिलकर जाति-धर्म, गरीबी- अमीरी, वंश-वर्ग आदि सारे भेदभाव को भुलाकर एक स्वस्थ एवं आदर्श समाज की स्थापना करें और मानव अधिकारों का सम्मान करें, यही इस दिवस का मूल उद्देश्य है। सामाजिक न्याय की पिच पर ही नई सोशल इंजीनियरिंग तैयार हो सकती है।

यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो आज अधिक प्रासंगिक है। इस संदर्भ में निष्पक्षता का अर्थ है शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, न्याय और अन्य के समान मानकों तक समान पहुंच। सभी की इन चीजों के समान मानकों तक समान पहुंच होनी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लैंगिकता, लिंग या वर्ग कुछ भी हो। विश्व सामाजिक न्याय का मतलब है, ऐसा समाज बनाना जहां सभी लोगों को समान अधिकार, अवसर और व्यवहार मिलें। सामाजिक न्याय के जरिए समाज की आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को कम करने की कोशिश की जाती है और सभी नागरिकों को सामाजिक समानता देने के प्रयास किये जाते हैं। समाज की सामान्य भलाई के लिए दूसरों की देखभाल एवं सहायता करने की जिम्मेदारी और सभी को अपनी जिंदगी में सुधार करने के लिए समान अवसर मिले, इसके लिये यह दिवस एक आह्वान है। सामाजिक न्याय की आकांक्षा, यह सुनिश्चित करती है कि हर कामकाजी पुरुष और महिला को अपने योगदान के मुताबिक उचित हिस्सा मिले, जो सामाजिक न्याय, सामाजिक एकजुटता, आर्थिक विकास, और मानव प्रगति के लिए जरूरी है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस को सफल बनाने के लिए कई देश एक साथ मिलकर बेरोजगारी, गरीबी, जाति भेदभाव, लिंग और धर्म के नाम पर बंटे लोगों को एकजुट करने की कोशिश करते हैं। भारत में भी सदियों से लोगों को समान अधिकार देने का विधान रहा है। इसके लिए भारतीय संविधान में सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए कई प्रावधान हैं। समाज में यह जागरूकता फैलाने की जरूरत है कि सभी एक हैं और किसी में भी कोई भेदभाव नहीं देखना चाहिए। भारत सरकार भी कई योजनाएं चला रही हैं। एक विचार के रूप में सामाजिक न्याय की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। इसके मुताबिक किसी के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर किसी के पास इतने न्यूनतम संसाधन होने चाहिए कि वे उत्तम जीवन की अपनी संकल्पना को धरती पर उतार पाएँ। विकसित हों या विकासशील, दोनों ही तरह के देशों में राजनीतिक सिद्धांत के दायरे में सामाजिक न्याय की इस अवधारणा और उससे जुड़ी अभिव्यक्तियों का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है। भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समूहों की राजनीतिक गोलबंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। उदारतावादी मानकीय राजनीतिक सिद्धांत में उदारतावादी-समतावाद से आगे बढ़ते हुए सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई आयाम जुड़ते गये हैं। मसलन, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंस्कृतिवाद, मूल निवासियों के अधिकार आदि। इसी तरह, नारीवाद के दायरे में स्त्रियों के अधिकारों को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर सिद्धांतीकरण हुआ है और स्त्री-सशक्तीकरण के मुद्दों को उनके सामाजिक न्याय से जोड़ कर देखा जाने लगा है।

अनेक असमानताओं, आग्रहों, समस्याओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सामाजिक न्याय के उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार का सामाजिक न्याय का तरीका समाज में विभेद करने का नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने का है। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को समाज के वंचित एवं हाशिए पर पड़े वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विकलांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों आदि के कल्याण, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने कहा भी है कि सामाजिक न्याय, तुष्टिकरण से नहीं, संतुष्टिकरण से आता है। सरकार के द्वारा कई योजनाएं के अंतर्गत लोगों को समान अधिकार देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, ऊंचनीच को जड़ से समाप्त करते हुए इससे समस्त समाज का एकसाथ विकास का प्रयास हो रहा है।

हम जिस लोकतंत्र में जी रहे हैं वह लोक-समानता का लोकतंत्र है या लोक-विभेद का? हम जो स्वतंत्रता भोग रहे हैं वह समानता की स्वतंत्रता है या अराजक एवं असमानता की? हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि ह्ययह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं। रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि ह्यमनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है। लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। नहीं तो फिर रह क्या जाएगा हमारे पास। टमाटर, प्याज के आसमान छूते भाव- प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके।

सरकारों के पास शक्ति के कई स्रोत है, लेकिन इस शक्ति से कितनों का कल्याण हो रहा है? कैसा विचित्र लोकतंत्र है जिसमें नेता एवं नौकरशाहों का एक संयुक्त संस्करण केवल इस बात के लिये बना है कि न्याय की मांग का जबाव कितने अन्यायपूर्ण तरीके से दिया जा सके। महंगाई के विरोध का जबाव महंगाई बढ़ा कर दो, रोजगार की मांग का जबाव नयी नौकरियों की बजाय नौकरियों में छंटनी करके दो, कानून व्यवस्था की मांग का जबाव विरोध को कुचल कर आंसू गैस, जल-तोप और लाटी-गोली से दो। नेता एवं नौकरशाह केवल खुद की ही न सोचें, अपने परिवार की ही न सोचें, जाति की ही न सोचें, पार्टी की ही न सोचें, राष्ट्र की भी सोचें, सम्पूर्ण मानवता की सोचें। क्या हम लोकतंत्र को अराजकता की ओर धकेलना चाह रहे हैं? नेतृत्व आज चुनौतीभरा अवश्य है, विकास का मंत्र भी आकर्षक है, लेकिन सबसे बड़ा विकास तभी संभव है जब जनता खुश रहे, निर्भार रहे, सुखी रहे और लगे कि यह जनता के सुख एवं समानता का लोकतंत्र है। ऐसा होने पर ही विश्व सामाजिक न्यास दिवस मनाने की सार्थकता होगी।

क्या बिहार चुनाव तक लंबित होगा वक्फ बोर्ड एक्ट संशोधन बिल?

अशोक भाटिया

बीते दिनों संसद में एक नया विधेयक लाया गया जो 1995 के वक्फ कानून में बदलाव करेगा। इस संबंध में संयुक्त समिति की रिपोर्ट पर संसद के सदनों में चर्चा चल रही है। इसका मकसद वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता लाने के साथ महिलाओं को इन बोर्ड में शामिल करना है। सरकार के अनुसार मुस्लिम समुदाय के भीतर से उठ रही मांगों को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। हाल ही में कैबिनेट की ओर से समीक्षा किए गए इस विधेयक का उद्देश्य मौजूदा वक्फ अधिनियम के कई खंडों को रद्द करना है। ये रद्दीकरण मुख्य रूप से वक्फ बोर्डों के मनमाने अधिकार को कम करने के उद्देश्य से हैं, जो वर्तमान में उन्हें अनिवार्य सत्यापन के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में दावा करने की अनुमति देता है। राजनीतिक दलों के बीच इस बिल को लेकर तीखी बहस छिड़ी है।

मोदी सरकार वक्फ बोर्ड एक्ट में संशोधन करने की आहट से ही बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई। माना जा रहा है कि इस बिल के जरिए केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड के अधिकारों को कम करना चाहती है। जिससे वक्फ बोर्ड को वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित करने की शक्ति कम हो जाएगी। इस बिल को लेकर जहां जेडीयू नेता नीरज कुमार ने बिहार सरकार के मॉडल की तारीफ की है, वहीं आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने सरकार पर धर्म विशेष को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

जेडीयू नेता नीरज कुमार का यह भी कहना है कि इस बिल की पूरी जानकारी तो अभी नहीं है, लेकिन बिहार में वक्फ संपत्तियों के संरक्षण के लिए एक मॉडल तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वक्फ की संपत्ति की सुरक्षा के लिए भू-राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव और जिलों में डीएम को अधिकार दिए हैं।

बताया जाता है कि मुस्लिम संगठनों को वक्फ बोर्ड विधायक के 44 बिंदुओं में से 33 पर आपत्ति है. जेपीसी में जो विरोधी दल है, वह बहिष्कार कर रहे हैं. तो ऐसे में बिहार में क्या स्थिति बनेगी. इस पर मंत्री जमा खान ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सभी संगठनों को आश्वासन दिया है कि बिहार में हम लागू नहीं होने देंगे, जिससे किसी तरह का कोई नुकसान हो. मुस्लिम संगठनों को मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया है. हमारे नेता ने ही जेपीसी में मामले को रखा है.मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से धमकी देने की भी बात भी आ रही थी, इस सवाल पर मंत्री जमा खान ने कहा वैसी कोई बात नहीं है. कुछ लोग बोलते रहते हैं, उनकी बात का कोई मतलब नहीं है. नीतीश कुमार वोट का लालच नहीं करते हैं. वोटरों का सम्मान करते हैं. सबके लिए काम करते हैं, सबके विकास की बात करते हैं. माइनॉरिटी समाज के साथ हमेशा खड़े रहे हैं. उनके साथ कोई परेशानी आएगी तो खड़े रहेंगे।

माइनॉरिटी समाज की नाराजगी को लेकर मंत्री जमा खान कहना है कि माइनॉरिटी समाज की कहीं से कोई नाराजगी नीतीश कुमार से नहीं है. जमा खान ने कहा कि जेपीसी के दौरान जहां भी दिक्कतें थी उस पर बैठकर हम लोग बातचीत की है और उसे दूर किया जा रहा है और उन्हें दूर करने के बाद ही विधेयक को लागू किया जाएगा. बता दें कि वक्फ बोर्ड विधेयक संसद में पेश होने के बाद जदयू ने इसका समर्थन किया था. केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने समर्थन करते हुए कहा था कि मुसलमानों को इससे कोई नुकसान होने वाला नहीं है. लेकिन उसके बाद बिहार में भी सिया वक्फ बोर्ड और सुन्नी वक्फ बोर्ड के साथ मुस्लिम संगठनों ने अपनी नाराजगी मुख्यमंत्री के सामने रखी थी. मुख्यमंत्री के निर्देश पर ललन सिंह की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में बैठक भी हुई थी. जिसमें सभी मुस्लिम संगठनों को भी बुलाया गया था।

मुक़्तलिफ मुस्लिम तंजीमों के ओहदेदार ह्नवक़्फ बोर्ड संशोधन बिलह्व के सिलसिले में मिले और वाजेह और तफ़्सील-वार गुफ़्तुगू हुई थी उनका कहना था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लालू प्रसाद जी शुरू से ही अकि् लयत के हरेक मुद्दे पर संवेदनशील रहे हैं और किसी भी धार्मिक मामलों में सरकार के दखल-अंदाजी के खिलाफ हैं। इन संशोधनों से ना सिर्फ.मुस्लिम बल्कि दीगर मजहबों के मजहबी, सकाफती और जायदाद के हुकूक पर असर पड़ेगा और एक गलत नजीर कायम होगी। हमारी पार्टी मोदी-नीतीश ठऊअ की इस गैर संवैधानिक, गैर जरूरी प्रस्तावित संशोधन बिल जो की मुल्क के सेक्युलर ताने-बाने को तोड़ने और धार्मिक उन्माद फैलाने के मकसद से लाया गया है उसका पुरजोर विरोध करती है। हमने आये हुए डेलीगेशन को तसल्ली दिलाया कि हम उनके साथ हैं और किसी क़ीमत पर इसको संसद से पारित नहीं होने देंगे और इस लड़ाई को सभी फोरम पर लड़ेंगे। अफसोस है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस बिल के समर्थन में हैं। गौरतलब है की इस समय वक्फ बिल को लेकर सभी राजनीतिक दलों का निशाना बिहार विधानसभा चुनाव की तरफ भी है। तो वहीं, विपक्ष की कोशिश है कि जेडीयू के ऊपर दबाव डालकर इस बिल को ज्यादा से ज्यादा लंबे समय तक खींचा जाए। जिसे कहीं ना कहीं विपक्ष अपनी जीत मानकर उसे विधानसभा चुनाव में जोर-शोर से प्रचारित करेगा। तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की कोशिश है कि मुस्लिम समाज में सुधार हो और जरूरत के हिसाब से लोगों को उनके अधिकार सुनिश्चित हो सकें।आगे उन्होंने बताया कि वक्त बिल को लेकर राजनीतिक चर्चाएं चुनाव के दौरान ही जोर पकड़ते हैं, यह एक प्रकार का ट्रेंड बन चुका है। जो हमें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, हरियाणा चुनाव और दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी दिख चुका है और इसी प्रकार की कोशिश बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भी हो रही है। इसके अलावा भी आगे असम और बंगाल विधानसभा चुनावों को भी सभी राजनीतिक दल जीतने की कोशिश करेंगे और यही लाभ उठाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने ना तो जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाया और ना ही इसे इस मानसून सत्र में भी लागू नहीं किया। एडिटर नीरज कुमार दुबे ने इस बिल को लेकर अपनी राय देते हुए बताया कि यह बिल वर्तमान समय की मांग है। तो वहीं, इसके प्रावधानों को और भी अधिक सख्त किया जा सकता है।

भाजपा का मानना है कि इसके लिए सभी समुदायों से बात करना जरूरी है इससे मुस्लिम समाज में लोगों को उनके अधिकार निश्चित रूप से मिलेंगे। आगे उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के दौरान हुए आंदोलन से सबक लिया है। इसीलिए सरकार एक-एक कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। जिससे इस विधेयक को लेकर कोई बड़ा जनांदोलन आकर ना ले सके। तो वहीं, इसी प्रकार केंद्र सरकार छोटे-छोटे टुकड़ों में राज्यों में यूसीसी लागू करके लोगों के मन में जो संदेह व्याप्त है, उसे दूर करने की कोशिश कर रही है। जब यूसीसी से सभी समुदायों के अंदर का डर खत्म हो जाएगा तो कहीं ना कहीं सरकार इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का विचार जरूर करेगी।उन्होंने आशंका जताई कि अगर कोविड ना आया होता तो शायद नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ आंदोलन अभी भी चल रहे होते और इस एक्ट को लेकर पूरी दुनिया में सरकार की आलोचना हुई थी। इसी प्रकार का सबक सरकार ने किसान आंदोलन से भी लिया है। यह एक गठबंधन की सरकार है। इसीलिए मोदी सरकार सभी दलों और संगठनों के साथ सामंजस्य से ही आगे बढ़ने का विचार कर रही है।

माना जा रहा है कि इस बिल के जरिए मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की उस शक्ति पर अंकुश लगाना चाहती है, जिसके तहत वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति को वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित कर सकता है। इस बिल के पास होने के बाद वक्फ बोर्ड के कई अधिकारों पर रोक लग सकती है। वर्तमान में देशभर में 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 30 वक्फ बोर्ड कार्यरत हैं। ये देखना दिलचस्प होगा कि संसद में इस बिल को लेकर क्या बहस होती है और इसका बिहार समेत पूरे देश पर क्या असर पड़ता है। इसके अलावा प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक करार देते हुए हाल में ही कहा कि मुस्लिम समुदाय इसे स्वीकार नहीं कर सकता।उन्होंने यह भी कहा कि संसद से इस विधेयक के पारित होने पर इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।मदनी ने यह बयान उस वक्त दिया जब बृहस्पतिवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट को लोकसभा और राज्यसभा के पटल पर रखा गया।मुस्लिम संगठन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मदनी ने कहा कि शंकाएं व्यक्त की जा रही थीं, वे सही साबित हुईं। इन संशोधनों के जरिए केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों की स्थिति और प्रकृति को बदलना चाहती है, ताकि उन पर कब्जा करना आसान हो जाए और उनका मुस्लिम वक्फ का दर्जा खत्म हो जाए।ह्लह्लउनका कहना था कि पहले के कानून की धारा 3 में वक्फ बोर्ड यह तय करता था कि कोई वक्फ वैध है या नहीं, अब मौजूदा संशोधन में यह अधिकार कलेक्टर को दे दिया गया है, लेकिन अब मौजूदा 14 संशोधनों में जो अभी संसद में पेश किए गए हैं, एक नए संशोधन ने कलेक्टर से लेकर उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी को जांच का अधिकार दिया है जो यह तय करेगा कि यह संपत्ति सरकारी है या वक्फ की जमीन है।मौलाना मदनी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के विरोध के बाद वक्फ नियम में बदलाव किया गया। उन्होंने कहा है कि हम इस तानाशाही कानून को स्वीकार नहीं कर सकते।मदनी ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों के पास अभी भी मौका है कि वे इस कानून को संसद में पारित होने से रोकें और इसका खुलकर विरोध करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि यह कानून पारित हो जाता है तो जमीयत उलेमा-ए-हिंद इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी और साथ ही जमीयत उलेमा-ए-हिंद वक्फ संपत्तियों को बचाने के लिए मुसलमान और अन्य अल्पसंख्यकों और न्यायप्रिय लोगों के साथ मिलकर सभी लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का भी उपयोग करेगी।

अंतर्मन से होता है प्रसन्नता का आविर्भाव

-सुनील कुमार महला

प्रसन्नता या खुशी मानव की एक सकारात्मक भावना है। वास्तव में, जब किसी व्यक्ति की किसी प्रकार की इच्छा की पूर्ति हो जाती है तो वह व्यक्ति विशेष बहुत ही खुश होता है। कहना गलत नहीं होगा कि इच्छाओं के अनुकूल काम होने पर व्यक्ति प्रसन्नता या खुशी का अनुभव करता है। इसके अलावा, किसी अचानक लाभ से लाभांवित होने,किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होने, मनमाफिक सफलता प्राप्त करने पर भी व्यक्ति को खुशी का अनुभव होता है।खुशी एक ऐसी चीज है जिसे हर कोई पाना चाहता है।सरल शब्दों में कहें तो आम तौर पर, खुशी एक भावनात्मक स्थिति है जो आनंद, संतुष्टि, संतोष और पूर्णता की भावनाओं से जुड़ी होती है।खुशी आनंद और प्रशंसा की तीव्र भावना ही तो है।सच तो यह है कि खुशी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं तथा खुशहाली की कुंजी हैं।यह भी एक तथ्य है कि खुशी संस्कृति, मूल्यों और जीवन के चरणों के साथ बदलती रहती है।कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि नकारात्मक भावनाओं की तुलना में अधिक सकारात्मक भावनाओं का अनुभव करना ही खुशी है।खुशी या प्रसन्नता जीवन में उद्देश्य और संतुष्टि की हमारी समग्र भावना को दशार्ती है। कहना चाहूंगा कि प्रसन्नता और खुशहाली की प्रबल भावना से हमारे रिश्ते बेहतर होते हैं, हमारा सामाजिक जुड़ाव बढ़ता है और दूसरों के जीवन में योगदान भी बढ़ता है, साथ ही इसके कारण (खुशी के कारण) स्वस्थ शारीरिक खुशहाली में भी योगदान होता है। वास्तव में, खुशहाली हमारी खुशी और जीवन की संतुष्टि का मूल आधार है। खुशी हमारे भीतर से आती है। यह आंतरिक भावना है।यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और क्या करते हैं।कृतज्ञता का दृष्टिकोण विकसित करके, दूसरों की मदद करके,अच्छी नींद और व्यायाम के साथ सक्रिय बने रहकर और अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखकर तथा अपने समाज,समुदाय से जुड़कर, माइंडफुलनेश का अभ्यास करके हम अपनी खुशियों में इजाफा कर सकते हैं। कृतज्ञता तो बहुत बड़ी चीज है। सबसे बड़ा योगदान कृतज्ञता का ही होता है हमारी खुशियां बढ़ाने में। वास्तव में, कृतज्ञता का अभ्यास करने से हमें अपनी वर्तमान स्थिति को स्वीकार करने, स्वयं में (और दूसरों में) अच्छे गुणों की सराहना करने और अधिक खुश महसूस करने में मदद मिलती है। आदमी हमेशा खुशी की उम्मीद में जीवन जीता है। कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में कभी भी दुःखी या अप्रसन्न नहीं होना चाहता है। वास्तव में हम जो कुछ भी अपने जीवन में करते हैं, खुश रहने के लिए ही करते हैं। खुश रहने के लिए आदमी क्या नहीं करता? वह मेहनत करता है।अपना सर्वोत्तम करने का प्रयास करता है। और तो और व्यक्ति अपने जीवन में खुश रहने के लिए अलग-अलग कलाओं और हुनर तक को अपनाता है। ऊपर बता चुका हूं कि खुशी आंतरिक होती है। खुशी कभी बाह्य नहीं हो सकती है। यदि खुशी बाह्य है तो उसे हृदय में उपजी खुशी नहीं कहा जा सकता है। बाह्य खुशी तो हमेशा दूसरों को दिखाने मात्र के लिए होती है। यदि हमारी अंतरात्मा खुश है, तो हम वास्तव में खुश हैं। जब हम खुश होते हैं तो हम ईश्वर से ही साक्षात्कार कर रहे होते हैं, क्यों कि खुशी और ईश्वर का ही स्वरूप है।आज मनुष्य को जरूरत इस बात की है कि वह खुशी को प्राप्त करना सीखे, क्यों कि इस ब्रह्मांड में चहुंओर खुशियां ही खुशियां बिखरी पड़ी हैं। वास्तव में खुशी के लिए हमें अंतर्मन, अपनी आत्मा में देखने, उसमें झांकने की जरूरत है। आप यकीन मानिए कि जब हम अपने भीतर झांककर देखते हैं और एक पल के लिए इससे हमें संतुष्टि का एहसास होता है और यह संतुष्टि ही वास्तव में हमें खुशी देती है। वास्तव में खुशी का स्रोत बाहरी नहीं है, आंतरिक है, हमारी अंतरात्मा है,हमारा मन है। सच तो यह है कि हमारी आंतरिक आत्मा आनंद और खुशियों से भरी हुई है। कहना गलत नहीं होगा कि आत्मा का अनुभव करने के लिए, आत्मा के करीब आने के लिए ही हमें योग और ध्यान का अभ्यास करना चाहिए। योग और ध्यान से हमें शांति का अनुभव होता है और शान्ति में ही ईश्वर की असली अनुभूति हो सकती है। आत्मा का परमात्मा से मिलन का एक माध्यम है योग और ध्यान। यदि हमारे अंतर्मन में शान्ति होगी तो हम मानवता का दीप जलाने की ओर अग्रसर होंगे। मानव, मानव के लिए सहृदयता से, शान्ति से काम करेगा तो निश्चित ही हमें आनंद और खुशी की अनुभूति होगी। आज मनुष्य को जरूरत इस बात की है कि वह अपनी सोई हुई आत्मा को जगाए। हर मनुष्य के भीतर एक दिव्य ऊर्जा होती है। हमें जरूरत इस बात की है कि हम इस दिव्य ऊर्जा को जगाएं। योग और ध्यान हमें आत्म स्थिति तक ले जाने का काम करता है। कहना गलत नहीं होगा कि योगिक अभ्यास भीतर की ओर मुड़ने का विज्ञान और तकनीक है। सच तो यह है कि मानव कल्याण और मुक्ति के लिए 'अंदर ही एकमात्र रास्ता है।'वास्तव में, योग और ध्यान से हम भौतिकता से परे आत्मसाक्षात्कार की ओर बढ़ते हैं और जब हम स्वयं को जान जाते हैं तो दुनिया को भी जान जाते हैं।

सड़कों पर मारपीट करने से बचें, यह एक ऐसा अपराध है जिसकी सजा महंगी पड़ सकती है

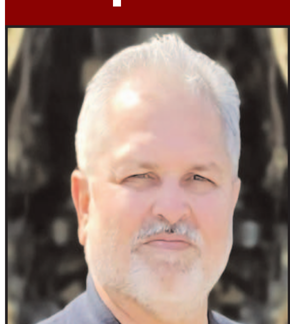

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

हमारा परिवार, हमारे संस्कार, करें सड़क पर उचित व्यवहार

- राजकुमार जैन

सड़कों पर तीव्र गति से बढ़ती वाहनों की संख्या, खराब सड़कें, बेतरतीब निर्माण कार्य, सड़कों पर अतिक्रमण, गंतव्य पर पहुंचने की जल्दी, यातायात नियमों के प्रति अज्ञानता, धैर्य की कमी, तनाव से भरपूर जीवन शैली, अप्रशिक्षित ड्राइवर, ब्लाइंड स्पॉट, जैसे कई कारणों के चलते वाहनों का आपस में टकरा जाना एक आम समस्या बन रहा है।

सड़क पर चलते हुए वाहन आपस में टकराए और किसी एक या दोनों गाड़ीयों पर खरोंच आई या अन्य कोई नुकसान हुआ तो लोग अपने अपने वाहनों से सड़कों पर उतर आते हैं। इसके बाद सामान्यतया कहासुनी होती है और समझौता हो जाता है या थाने जाकर फरियाद की जाती है।

यूं तो टकराने के बाद छोटे मोटे नुकसान के लिए दोनों पक्षों को आपस में बातचीत कर समझौता कर लेना चाहिए और विवाद की स्थिति में पुलिस की सहायता लेनी चाहिए। लेकिन देखने में आ रहा है कि आजकल दोनों ही पक्ष झुकने को तैयार नहीं होते, वो दंभ भरा अड़ियल रवैया अपनाते हैं जिसके चलते शारीरिक हिंसा और गाड़ी को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है । लड़ने झगड़ने की यह प्रवृति दिनों दिन बढ़ती जा रही है। बड़े नुकसान की हुई भरपाई के लिए वाहन चालकों को अपनी अपनी बीमा कंपनी से संपर्क करना चाहिए। लेकिन देखने में आता है कि बीमा क्लेम लेने में आने वाली कठिनाई, समय की कमी, क्लेम लेने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ना होना, बगैर लायसेंस ड्राइवर, बगैर बीमा की गाड़ी सड़क पर जैसे कारणों के चलते नुकसान की भरपाई हाथों हाथ वसूलने के लिए होने वाले झगड़े अब बढ़ते जा रहे हैं।

पुलिस का रवैया भी सड़क हिंसा की इन घटनाओं को रोकने में प्रभावी प्रतीत नहीं होता है। होना यह चाहिए कि सड़कों पर इस तरह की मारपीट को अपराध माना जाना चाहिए और उचित धाराओं में केस दर्ज कर तुरंत कार्यवाही कर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, लेकिन देखने में आया है कि पुलिस इस बारे में उदासीन रवैया अपनाती है।

अब तो वाहन टकराने पर मारपीट रोजमर्रा की बात हो चली है। लोगों का यह अवांछनीय हिंसक व्यवहार एक चिंतनीय सामाजिक मुद्दे के रूप में उभर रहा है ।इस तरह की घटनाओं को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर ईगो की लड़ाई करने से परहेज रखना चाहिए। समाज, सरकार और प्रशासन को स्वतः संज्ञान लेकर इसके कारणों और समाधान पर विचार विमर्श कर इन घटनाओं के घातक रूप लेने के पहले ही इस बारे में कोई स्पष्ट नीति बनाना चाहिए। वाहन चालकों को इस तरह की घटनाओं को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर ईगो की लड़ाई लड़ने से परहेज रखना चाहिए और कानून को अपने हाथ में लेने से पहले समझना चाहिए कि इस तरह के झगड़े करना कानूनन अपराध है और ऐसे कृत्य करने के लिए सजा भी हो सकती है। कानूनी रूप से कोई भी पक्ष चाहे उसका कितना भी नुकसान क्यों न हुआ हो, वो अपने नुकसान की भरपाई के लिए दूसरे पक्ष पर किसी भी तरह का कोई भी दबाव नहीं डाल सकता है। दूसरे पक्ष को धमकाना, झगड़ा करना, शारीरिक हिंसा करना, गाड़ी में तोड़फोड़ करना, पैसों की मांग करना, जबरजस्ती पैसे छीन लेना, उसकी गाड़ी पर कब्जा कर लेना जैसे कृत्य अपराध की श्रेणी में आते हैं। पीड़ित पक्ष हमलावर पक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा सकता है।

सड़क पर मारपीट के मामलों में भारतीय दंड संहिता और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत कार्रवाई की जाती है। जिसके चलते उनका अपराधिक रिकॉर्ड बन सकता है जो आगे चलकर उनके जीवन में कई अड़चनें पैदा कर सकता है।

भारतीय न्याय संहिता एक ऐसे अपराध को परिभाषित करती है जिसे आपराधिक झगड़ा कहा जाता है। इस धारा के अनुसार जब दो या दो से अधिक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर लड़ाई करते हैं और इससे सार्वजनिक शांति भंग होती है, तो उन्हें आपराधिक झगड़े का दोषी माना जाता है। इस आपराधिक झगड़े में दोषी पाए जाने पर एक महीने तक की साधारण कैद और एक हजार रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है।

भारतीय न्याय संहिता लूट को एक ऐसी चोरी के रूप में परिभाषित करती है जिसमें बल या धमकी जैसी बातें शामिल होती है। इसमें बताया गया है कि जब कोई व्यक्ति चोरी करने या किसी संपत्ति को छिनने के लिए धमकी या हिंसा का प्रयोग करता है तो वह लूट कहलाती है।यदि कोई व्यक्ति लूट करने का प्रयास करता है, लेकिन असफल हो जाता है, तो उसे सात वर्ष तक के कठोर कारावास की सजा दी जा सकती है और जुमार्ना भी देना होगा। जब किसी व्यक्ति के साथ लूट का अपराध सफल हो जाता है तो सजा अधिक कठोर होती है। जिसमें दोषी पाये जाने पर अपराधी को दस वर्ष तक के कठोर कारावास की सजा दी जा सकती है और जुमार्ना भी देना होगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इसमें सजा की गंभीरता और भी बढ़ सकती है।

झगड़े में अगर किसी व्यक्ति को गंभीर चोट लग जाती है, तो आघात करने वाले व्यक्ति पर अन्य आपराधिक मामलों के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है। हमारे समाज में एक बार जेल या कारावास की सजा पाने वाले व्यक्ति को बहुत ही बुरी नजर से देखा जाता है। लोग आपके द्वारा किए गए अपराध की प्रकृति से आपके व्यक्तित्व का आंकलन नहीं करते बल्कि वो तो केवल यह देखते है कि यह व्यक्ति जेल से आया है। जेल जाने के रिकार्ड की एक व्यक्ति के जीवन पर गहरा असर पड़ता है। सरकारी नौकरी जाने का डर, पारिवारिक संबंध खराब होने की संभावना, समाज में धूमिल होती प्रतिष्ठा, पासपोर्ट बनवाने में अड़चन, जैसी कई समस्याएं आपके सामने आ सकती हैं। इसलिए कोई भी घटना घट जाने पर ठंडे दिमाग से विचार करें और क्षणिक उत्तेजना में कोई भी ऐसा कार्य ना करें जिसकी वजह से आपको व आपके परिवार को किसी गंभीर परेशानी का सामना करना पड़े। अस्वीकरण : इस लेख में कानून के बारे में जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध सामान्य ज्ञान पर आधारित है। लेख में यह जानकारी प्रतीकात्मक रूप से केवल शिक्षा और जागरूकता फैलाने के लिए शामिल की गई है। कृपया किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से पहले बार एसोसिएशन द्वारा अधिकृत अधिवक्ता से संपर्क करें।

बाल विवाह रोकने के प्रयासों के लिए नेहा खातून को डीएम ने सम्मानित किया

पटना। बाल अधिकार अधिवक्ता नेहा खातून को पूर्वी चंपारण के जिला मजिस्ट्रेट सौरभ जोरवर (आईएएस) द्वारा जिले में बाल विवाह रोकने के उनके निरंतर प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। नेहा खातून उड़ान परियोजना के तहत गठित युवा समूह की एक सक्रिय सदस्य हैं, जिसे यूनिसेफ-बिहार के समर्थन से बाल रक्षा भारत द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। अपने निरंतर कोशिश, समुदायिक जुड़ाव और समर्थन से, नेहा ने युवा लड़कियों को सशक्त बनाने और स्थानीय हितधारकों को बाल विवाह के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिला प्रशासन द्वारा उन्हें दिया गया यह सम्मान बाल अधिकारों की सुरक्षा और किशोरों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने में युवा बदलावकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। बाल रक्षा भारत और यूनिसेफ-बिहार बिहार में बच्चों के लिए एक सुरक्षित और अधिक समान समाज बनाने के लिए उड़ान जैसी युवा नेतृत्व वाली पहलों को मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

सकल मराठा समाज व शिवप्रेमी बोईसर द्वारा शिवजयंती महोत्सव का भव्य आयोजन आज

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर, खैरापाड़ा ग्राम पंचायत अंतर्गत यशवंत श्रृष्टि के पास स्थित बिरसा मुंडा मैदान में सकल मराठा समाज व शिवप्रेमी बोईसर की ओर से लगातार 9वें वर्ष बुधवार 19 फरवरी 2025 को शौर्य, शक्ति व सनातन संस्कृति के सबसे बड़े प्रतीक शिवजयंती महोत्सव का भव्य दिव्य आयोजन होने जा रहा है। सकल मराठा समाज व शिवप्रेमी बोईसर के शिवजयंती महोत्सव आयोजन समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी बबन जाधव ने हमारे संवाददाता अजीत सिंह को उक्त आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती के मौके पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को दिव्यता के साथ मानने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा सकल मराठा समाज व शिवप्रेमी बोईसर की ओर से बोईसर शहर व आस-पास क्षेत्र के लोगों को इस महोत्सव में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया गया है। श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में 19 जनवरी को सुबह 8 बजे शिवज्योति आगमन, स्वागत व छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन किया जायेगा। सुबह 9 बजे से 11 बजे तक विद्यार्थियों की वक्तृत्व प्रतियोगिता तथा सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक विद्यार्थियों की नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक सुरताल भजन मंडली तारापुर को ओर से सुंदर भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन होगा। वहीं शाम 4 बजे से रात 9.30बजे तक श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की भव्य दिव्य झांकी बिरसा मुंडा मैदान से प्रसिद्ध शिव गंधर्व ढोल ताशा, बैंड, लेजिम व कलाकारों की विशेष कला प्रस्तुतियों के साथ निकाली जायेगी, जो यशवंत श्रृष्टि, बृजवासी होटल, मधुर होटल, राजमाता जिजाऊ चौक, रेलवे स्टेशन व ब्रजवासी होटल होते हुए पुनः बिरसा मुंडा मैदान पहुंचेगी। रात 9.30 से 10.30 तक सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन, स्वागत समारोह व स्नेह भोजन के साथ महोत्सव का समापन किया जायेगा।

जीवनसाथी ने मॉडर्न मैचमेकिंग रिपोर्ट 2025 पेश की

मुंबई। जीवनसाथी की मॉडर्न मैचमेकिंग रिपोर्ट 2025, जो 21,000 से अधिक लोगों की राय पर आधारित है, भारतीय सिंगल्स की बदलती पसंद को दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष प्यार और रोमांस को ज्यादा महत्व देते हैं, जबकि महिलाओं के लिए संगतता अथवा अनुकूलता (कंपैटिबिलिटी) अधिक महत्वपूर्ण है। यह रिपोर्ट शादी, आर्थिक स्थिरता और पार्टनर चुनने में माता-पिता के प्रभाव को लेकर बदलते नजरिये पर भी रोशनी डालती है। इस सर्वे के मुताबिक, 47% पुरुष अपने जीवनसाथी को चुनते समय प्यार और रोमांस को प्राथमिकता देते हैं, जबकि ऐसा सोचने वाली महिलाओं की संख्या 29% है। वहीं, 39% महिलाएं अपने पार्टनर में सबसे ज्यादा संगतता (कंपैटिबलिटी) को अहम मानती हैं, जबकि केवल 11% महिलाओं के लिए आर्थिक स्थिरता मुख्य आधार होती है। अलग-अलग शहरों के लोगों में भी पसंद का फर्क दिखा है–दिल्ली और मुंबई के सिंगल्स को रोमांस ज्यादा पसंद है, जबकि बेंगलुरु के लोग संगतता को अधिक महत्व देते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 40% सिंगल्स सही जीवनसाथी मिलने पर विदेश जाने के लिए तैयार हैं, जिससे पारंपरिक सोच में बदलाव झलकता है। हालांकि, 70% माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे भारत में ही शादी करें या फिर विदेश जाने के बाद वापस लौट आएं। शहरों के अनुसार भी यह ट्रेंड अलग-अलग है–मुंबई, पुणे और बेंगलुरु के लोग एनआरआई से शादी करने को लेकर ज्यादा खुले हैं, जबकि दिल्ली के सिंगल्स भारत में बसे हुए पार्टनर को ज्यादा पसंद करते हैं। जीवनसाथी के चीफ बिजनेस ऑफिसर रोहन माथुर ने कहा, आज के भारतीय सिंगल्स रिश्तों को लेकर पारंपरिक नियमों को बदल रहे हैं। वे अब अनुकूलता और अपनी पसंद को अधिक महत्व दे रहे हैं, बजाय पारंपरिक अपेक्षाओं के। जीवनसाथी की मॉडर्न मैचमेकिंग रिपोर्ट 2025 इसी बदलते नजरिए को दशार्ती है, जहां लोग समाज के दबाव की बजाय अपने मूल्यों के अनुसार प्यार को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक भरोसेमंद मैचमेकिंग प्लेटफॉर्म के रूप में, हमारा लक्ष्य सिंगल्स को सही फैसला लेने और सार्थक रिश्ते बनाने में मदद करना है।

भूटान के प्रधानमंत्री सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि

मुंबई। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में शुक्रवार, 21 फरवरी को सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण के उद्घाटन सत्र में भूटान के प्रधानमंत्री महामहिम डेशो शेरिंग तोबगे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। कॉन्क्लेव का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भूटान के अनूठे ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस इंडेक्स के समर्थक महामहिम तोबगे ने संयुक्त राष्ट्र, टेड और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेतृत्व, संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, गरीबी, लोकतंत्र और हैप्पीनेस पर अपने विचार साझा किए हैं। सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव में अपने संबोधन में वह अपने जीवन के अनुभवों के आधार पर लीडरशिप के बारे में अपने विचार साझा करेंगे। उल्लेखनीय है कि वह संसदीय लोकतंत्र की दिशा में भूटान की यात्रा में अहम योगदानकर्ता रहे हैं। उन्होंने भूटान की पहले पंजीकृत राजनीतिक दल पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना में अहम भूमिका निभाई थी और अभी पार्टी के प्रेसिडेंट हैं। स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सोल) निजी फंडिंग से संचालित किया जाने वाला प्रीमियर लीडरशिप इंस्टीट्यूट है, जिसे गांधीनगर, गुजरात में स्थापित किया गया है। सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नेतृत्वकर्ता एक मंच पर आएंगे। इनमें राजनीति, खेल, कला, मीडिया, व्यवसाय, सार्वजनिक नीति और सामाजिक क्षेत्र शामिल हैं।

विक्रांत मैसी के बैकफ्लिप के साथ कैंपस एक्टिववियर ने लॉन्च किया मूव यॉर वे कैंपेन का दूसरा चरण

मुंबई/पटना। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स एवं एथलेजर फुटवियर ब्राण्ड्स में से एक कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड ने आज जाने-माने भारतीय अभिनेता विक्रांत मैसी के साथ ब्राण्ड के कैंपेन ह्यमूव यॉर वेह्न के दूसरे चरण की शुरूआत की है। कैंपेन की पहली फिल्म की शानदार सफलता के बाद यह दूसरी फिल्म आत्मविश्वास के साथ अपने व्यक्तिगत अंदाज को अपनाने का संदेश देती है। यह फिल्म फैशन विकल्पों के माध्यम से दर्शकों को अपने जुनून और अनूठी यात्रा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह भावनाओं की अभिव्यक्ति को प्रेरित कर दर्शकों को याद दिलाती है कि जब हम प्रमाणिकता के साथ जीवन में आगे बढ़ते हैं, जो यह हमें पुरस्कृत करने का तरीका खोज ही लेता है।

गोरेगांव में धूम धाम से सम्पन्न हुआ 'यदु यादव कोश' का 20 वां विमोचन समारोह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 20 वर्षों से मुंबई से लगातार प्रकाशित होने वाली यादव समाज की एकमात्र पारिवारिक परिचय पुस्तिका 'यदु यादव कोश' के 20 वें अंक का विमोचन समारोह गोरेगांव पश्चिम स्थित आई बी पटेल विद्यालय में धूम धाम से सम्पन्न हुआ।

गौरतलब है की पिछले 20 वर्षों से यादव समाज को एक सूत्र में जोडने का कार्य 'यदु यादव कोश' के संपादक एस एन यादव (सत्यनारायण यादव) द्वारा किया जा रहा है। पत्रिका के सम्पादक एस एन यादव ने कहा कि पत्रिका के माध्यम से लोगों का परिचय तो हो रहा है साथ ही शादी विवाह के लिए पत्रिका लोगों के बीच में पुल का.काम कर रही है। समारोह अध्यक्ष कमलेश यादव ने कहा कि पत्रिका के माध्यम से घर बैठे हजारों लोगों की पूरी जानकारी मिल जाती है और जरूरतमंदों को मदद भी उपलब्ध होती है। शिवसेना नेता अजय यादव ने समाज के चंद डाक्टरों पर अपनी नाराजगी जाहिर करते कहा की डाक्टरों को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है पर समाज में चंद डॉक्टर ऐसे हैं जो बातें बड़ी-बड़ी करते हैं पर जरुरत पड़ने पर मरीजों को खून चूसने का कोई मौका नही छोड़ते हैं ऐसे डॉक्टर किसी का भला नही करते हैं इसलिए ऐसे लोगों से सावधान होने की जरुरत है।

विमोचन समारोह में अध्यक्ष के रूप में पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव, मुख्य अतिथि के रूप में यादव संघ के अध्यक्ष व पूर्व नगरसेवक अजय सीताराम यादव, शिवकृपाल यादव, समवर्गीय यदुकुल संगम अध्यक्ष राजाराम विद्यार्थी, शिवसेना (वइळ) सह संपर्क प्रमुख अजय यादव, पूर्व नगरसेविका सुनीता यादव, डा. अजंता यादव, अवधेश अदालत यादव, डॉ. के. एस. यादव, धर्मेन्द्र यादव खुशी इंटरप्राईज, उद्योगपति राम भरत यादव, पृथ्वी ग्रुप के डायरेक्टर जनार्दन यादव, डा. शैलेश यादव, जीवन ज्योति हास्पिटल के डाक्टर लक्ष्मीकांत यादव, बी बी यादव, लक्ष्मी शंकर यादव, घरभरन यादव, केशव यादव, डा. रामनरेश यादव, डा. सुशांत यादव, डा. सुरेश यादव, राजपती यादव, समाजसेवक किलाचंद यादव, शिवधनी यादव, एडवोकेट सेवाराम बी. यादव, एडवोकेट जयराम यादव, एडवोकेट मुकेश यादव, एडवोकेट बिन्दवाशीनी यादव, पत्रकार लल्लन यादव, एस आर यादव, जीतेन्द्र यादव, सभाजीत यादव, पुणे से दलसिंगार फेरन यादव, जे पी यादव, सुरेश यादव, डॉ आर डी यादव, डॉ लोरीक यादव, डॉ. सी एन यादव, अम्बिका यादव, नील यादव, लालबहादुर यादव, जगदीश मास्टर, कवि रवि यादव, विनोज यादव, गोविन्द यादव, सभाजीत यादव वसई, सर्वजीत यादव, संतोष गहनू यादव, प्रवेश यादव, अंजू यादव, पत्रकार कन्हैयालाल यादव, इरिस क्लॉथ के डायरेक्ट संतोष कुमार यादव, यश यादव, डॉ अरुण यादव, नन्दलाल यादव, पुरुषोत्तम यादव, महाजन यादव, ललमनी यादव, मंगल यादव, बीमा योद्धा संतोष यादव, लालू यादव, बद्री यादव, झूल्लूर यादव, सुक्खू यादव, महेश यादव इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. नगरसेवक कमलेश यादव ने किया । कार्यक्रम का संचालन लल्लन यादव व सभाजीत यादव ने किया। यदु यादव कोश के संपादक सत्यनारायण यादव ने पुस्तिका व समाज के प्रति अपने विचार व्यक्त किए।

नाबालिक से दुष्कर्म फोटो खींचकर बदनाम करने की दी गई धमकी

न्यायालय के आदेश पर मानपाडा पुलिस ने दर्ज किया मामला

डोंबिवली। कल्याण पूर्व में नाबालिग के साथ दुष्कर्म की हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी तस्वीर खिंची और उसे वायरल करने की धमकी देकर दस आरोपियों ने नाबालिग के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इस घटना को लेकर मानपाड़ा थाने में बलात्कार, पोक्सो, एट्रोसिटी एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं के तहत दस लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।

आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। अर्चना, विकी मिश्रा, रॉकी, भानु तिवारी, सोनू खान, संजय मिश्रा, मधु, घुंगरू, अन्नू और लकी मिश्रा यह आरोपियों के नाम बताए गए हैं, जिन्होंने नाबालिग के साथ घिनौनी हरकत की। मानपाड़ा पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पीड़िता के परिवार वालों की पिटाई की और जातिवाचक शब्दों का उपयोग कर उन्हें अपमानित किया। इसके बाद जब पीड़िता घर में अकेली थी, तब बहला-फुसलाकर उसे एक घर में ले गए, जहां सभी आरोपियों ने जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया। यहीं नहीं पीड़िता के अश्लील फोटो खींचने के बाद वायरल करने की धमकी देकर आरोपियों ने अनेकों बार उसकी मजबूरी का फायदा उठाया। इस घटना में पुलिस ने दसों आरोपियों पर अपराध दर्ज कर लिया है, यह मामला न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया है।

65 अवैध इमारतों को बचाने में आगे आये: दिपेश म्हात्रे

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र की 65 अवैध इमारतों को गिराने के फैसले के खिलाफ शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे के मार्गदर्शन में शिवसेना ने रहिवासियों के समर्थन में खड़े रहने का ऐलान किया है। इसी के तहत कल्याण जिल्हा प्रमुख दीपेश पुंडलिक म्हात्रे के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने महानगरपालिका आयुक्त से मुलाकात की और अवैध निर्माण मामले में रहिवासियों को बेघर करने की बजाय दोषी अधिकारियों और बिल्डरों पर कार्रवाई करने की मांग की।

शिवसेना ने अपनी बैठक में स्पष्ट किया कि रहिवासी दोषी नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए घर खरीदे थे। पार्टी ने महानगरपालिका द्वारा पहले संपत्ति कर वसूली और सुविधाएं देने के बाद अब घर गिराने को अन्याय बताया। इसके अलावा, बिल्डिंग परमिशन जारी करने वाले अधिकारी, बैंक जिन्होंने होम लोन दिया, और आर्किटेक्ट जिन्होंने निर्माण की मंजूरी दी, उन सभी पर जांच और कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही, फिलहाल 10वीं और 12वीं की परीक्षा को देखते हुए घर तोड़ने की प्रक्रिया स्थगित करने का आग्रह किया गया।

आगे की रणनीति के तहत पुलिस आयुक्त, महानगरपालिका आयुक्त और रहिवासियों की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर इस मुद्दे पर न्याय दिलाने की अपील की जाएगी। शिवसेना ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर न्यायिक लड़ाई लड़ने का भी ऐलान किया है। महानगरपालिका आयुक्त ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मामले की जांच और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चेंबूर मे श्री योगवेदांत सेवा समिती कि और से भव्य मातृ-पितृ पूजन दिवस संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर स्थित एल.यू. गडकरी मार्ग के प्रयाग नगर सोसायटी मैदान परिसर मे परमपूज्य श्री आसाराम बापू कि प्रेरणासे कार्यरत श्री योगवेदांत सेवा समिती के माध्यम से १४ फरवरी ꠰वैलेन्टाईन डे꠰ नंही भव्य मातृ-पितृ पूजन दिवस मानाया गया. बालक बालिकाओं के सुनहरे भविष्य व माता-पिता के सम्मानित जीवन के लिए हर साल कि भाती इस वर्ष भी 15 फरवरी शाम 5 बजे से 9 बजे तक श्री योगवेदांत सेवा समिति कि और से भव्य मातृ-पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया था. इस कार्यक्रम मे गुरु वंदना, मनमोहक नृत्य, नाटिका, वक्तृत्व, अतिथि सत्कार एवं उद्बोधन, पुरस्कार वितरण (खेल पुरस्कार), सांस्कृतिक कार्यक्रम, महाआरती, मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम, एवं भोजन महाप्रसाद आयोजित किया था.

इस अवसरपर मुख्य अतिथि शिवसेना पूर्व नगर सेविका श्रीमती निधी प्रमोद शिंदे और समाजसेवक जयप्रकाश आग्रवाल का स्वागत एवं सत्कार समिति के अध्यक्ष मुकेश पंजाबी, उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता द्वारा किया गया. इस कार्यक्रम के आयोजन पर उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि मातृ-पितृ पूजन दिवस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में, खासकर बच्चों एवं युवाओं के मन में माता पिता एवं गुरुजनों के प्रती आदरभाव का निर्माण करना है।

विधायक सुलभा गायकवाड़ ने की फिल्म 'छावा' को टैक्स फ्री करने की मांग

मुख्यमंत्री और सांस्कृतिक मंत्री को पत्र लिखकर की अपील

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व की विधायक सुलभा गणपत गायकवाड़ ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सांस्कृतिक मंत्री को पत्र लिखकर छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म 'छावा' को टैक्स फ्री करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म देशभक्ति की भावना को जागृत करने वाला एक ऐतिहासिक दस्तावेज है, जिसे सभी लोगों तक पहुंचना चाहिए।

विधायक गायकवाड़ ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि 14 फरवरी 2024 को प्रदर्शित हुई यह फिल्म छत्रपति संभाजी महाराज के शौर्य, बलिदान और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को दशार्ती है। फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और यह युवाओं को प्रेरित करने का कार्य कर रही है। हालांकि, मल्टीप्लेक्स और सिनेमाघरों में कर की वजह से यह फिल्म आम जनता के लिए महंगी साबित हो रही है। विधायक ने कहा कि यदि इसे टैक्स फ्री किया जाता है, तो अधिक से अधिक लोग इसे देख सकेंगे और छत्रपति शिवाजी महाराज एवं संभाजी महाराज के महान इतिहास से प्रेरणा ले सकेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से जल्द से जल्द इस फिल्म को टैक्स फ्री घोषित करने का आदेश देने की अपील की।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभार्थियों को जिलाधिकारी के हाथों आर्थिक सहायता वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा मनोर के द्वारा केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को जिला अग्रणी बैंक व आर्थिक साक्षरता सलाह केंद्र पालघर के माध्यम से बीमा रकम का वितरण जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी गोविंद बोडके के हाथों किया गया।

इस कार्यक्रम में जिला अग्रणी बैंक के प्रबंधक विशाल वाघ, मनोर शाखा के प्रबंधक नवदीप यादव, वैभव विधाते, वित्तीय साक्षरता अधिकारी उज्वला कोकणे आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने बोलते हुए कहा कि योजना का उद्देश्य परिवारों को वित्तीय सुरक्षा की गारंटी देना है। आप सभी के परिवारों के सदस्यों की आर्थिक सुरक्षा के लिए यह विमा योजना आवश्यक है। इसलिए जिले सभी पात्र नागरिक इस योजना का अवश्य लाभ उठाएं।

जिला अग्रणी बैंक के प्रबंधक विशाल वाघ ने कहा कि इस योजना के तहत गरीब जरूरतमंद परिवारों को वित्तीय सहायता मिली है और गरीब जरूरतमंद लोगों के भविष्य के लिए इस योजना का अधिकतम प्रचार और प्रसार जिले में सभी सरकारी और अर्ध -सरकारी बैंकों द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों ने सरकार की योजनाओं से संतुष्टि व्यक्त की।

इस योजना के लाभ इस प्रकार हैं। यह योजना 18 से 50 वर्ष के आयु वर्ग के नागरिकों के लिए खुली है। वार्षिक केवल रु 436 के प्रीमियम में दो लाख रुपये का बीमा कवर मिलता है। विमाधारक की मृत्यु के पश्चात उनके परिजनों को यह आर्थिक सहायता मिलती है। इस योजना बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने निकटतम बैंक/शाखा पर अवश्य जायें। ऐसा आवाहन जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने किया है।

श्री बड़ी दुर्गा महारानीजी मंदिर का नौवां स्थापना दिवस माता की चौकी, हवन व भंडारे के साथ संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर (प.) अन्तर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी मंदिर व नर्मदेश्वर महादेव मन्दिर के नौवें स्थापना दिवस के चार दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिवस महारुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र का जाप, नवचंडी महायज्ञ आचार्य पं.राघवेन्द्र महाराज के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ वेदी पूजन, देवी अर्चन, भव्य माता की चौकी, श्रृंगार आरती, हवन यज्ञ के पश्चात महाभंडारे के आयोजन के साथ संपन्न हो गया।

बतादें कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी मंदिर चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से दो दिवसीय नवचंडी महायज्ञ का आयोजन पुरोहितो द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ देवी देवताओं का अहवान व पूजन, हवन विधि विधान से किया गया। 15 फरवरी की शाम को माता चौकी जागरण का आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक अश्विनी वशिष्ठ ने अपने सुमधुर आवाज में उत्कृष्ट भजनों को प्रस्तुत किया। रविवार 16 फरवरी को मंदिर स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर मंत्रोच्चारण के साथ माता जी का पूजन, श्रृंगार, अभिषेक, हवन व महाआरती के पश्चात महाप्रसाद रूपी भंडारे का आयोजन किया गया।

जिसमें बड़ी संख्या में माता भक्त शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण कर मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के स्थापना दिवस कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी भाजपा नेता संजय ज.पाटील, तुषार संखे, आनंद त्रिपाठी, बजरंग दल कोंकण प्रांत गौ रक्षा प्रमुख चंदन सिंह, विहिप के बोईसर प्रखंड प्रमुख एस.पी. सिंह, वंशी गुप्ता, गणेश राणा, उद्यमी बलबीर सिंह, त्रिमूर्ति टांसपोर्ट के मालिक उघोगपति प्रेम अग्रवाल, ग्रामपंचायत सदस्या जुली बारी सहित अनेक भक्तों ने माता के दरबार में हाजिरी लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में बड़ी दुर्गा महारानी चेरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा रेनू दुबे, संस्थापक जितेंद्र दुबे, अशोक सिंह, धर्मेन्द्र मोर्या, दीपू यादव, हेमराज यादव, राजकुमार राय, राजू श्रीवास्तव, मयुर कुटे, सुरेश चौरसिया, मनोहर सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों व सदस्य गणों का विशेष योगदान रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

बोर्ड परीक्षा के दौरान भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ की जाएगी कड़ी कार्यवाही: डीएम

यूपी बोर्ड परीक्षा के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में यूपी बोर्ड परीक्षा के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में माध्यमिक शिक्षा परिषद उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा संचालित (हाईस्कूल/इण्टर) परीक्षा वर्ष-2025, 24 फरवरी 2025 से प्रारम्भ होकर 12 मार्च 2025 के मध्य में दो पालियों में (प्रथम पाली समय-प्रातः 8:30 बजे से 11.45 बजे तक, द्वितीय पाली सायं 2.00 बजे से 5.15 बजे तक) की अवधि में आयोजित होगी। कक्षा-10 में कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 74938, कक्षा-12 में कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 80164, वर्ष 2025 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 155102 है। कुल 218 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसके लिए जोनल मजिस्ट्रेट 06, सेक्टर मजिस्ट्रेट 23 एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट 218 तैनात किये गये हैं। जनपद में संवेदनशील 24 तथा अतिसंवेदनशील 13 परीक्षा केन्द्र है। परीक्षा कन्ट्रोल रूम का गठन कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक, जौनपुर में किया गया है। परीक्षा केन्द्रो के निरीक्षण के लिए 06 सचल दस्ते बनाए गये है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि परीक्षा को नकलविहीन, शुचितापूर्ण ढंग से संपादित करायी जाए और परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वाले तथा कराने का प्रयास करने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के साथ ही जेल भेजने की कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान भ्रम फैलाने वालों पर भी कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद में परिवहन, विद्युत व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रहे। परीक्षा केन्द्र के आस पास साफ-सफाई कराना सुनिश्चित की जाए। परीक्षा केन्द्र के पास फोटोकापी की दुकाने संचालित नही की जाएंगी। परीक्षा में लगे सभी लोगो के पहचान पत्र जारी करने के भी निर्देश दिये पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने निर्देश दिया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के मंशानुरूप नकलविहिन परीक्षा सम्पन्न करायी जाएगी। जिसके लिए जनपद की एलआईयू, उड़नदस्ता विडियो सर्विलांस टीम के साथ अन्य ऐजेन्सिया भी सक्रिय रहेंगी। उन्होंने सभी को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि अधीनस्थों के स्तर से गड़बडी होने पर भी क्रेन्द्र व्यवस्थापकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी इसके लिए अपने अपने अधीनस्थो को भी शासन के मंशा से अवगत करा दें।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक शहर अरविन्द वर्मा, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल, सहित केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनसुनवाई एप पर गलत सूचना देकर निस्तारण करने का आरोप

अतिक्रमण हटाने के बजाय पीड़ित की बाउंड्री बिना किसी आदेश के बुलडोजर से गिराया

अजीम सिद्दीकी

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सुम्बुलपुर गांव में एक सार्वजनिक रास्ते से अतिक्रमण हटाने के लिए दिए गए प्रार्थना-पत्र पर कार्रवाई के नाम पर लेखपाल ने प्रार्थी की निजी जमीन पर बिना नोटिस दिए बिना किसी न्यायालय के आदेश पर बुलडोजर चलवा दिया। इससे पीड़ित ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत किया। जिस पर लेखपाल द्वारा गलय रिपोर्ट लगा कर गुमराह करने का प्रार्थी ने आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को प्रार्थना-पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। उक्त गाँव निवासी जुबेर अहमद ने बताया कि उसने गाटा संख्या 105, व 106 पर सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण हटाने के लिए समाधान दिवस पर प्रार्थना-पत्र देकर अतिक्रमण हटवाना चाह रहा थे, आरोप है कि हलक्स लेखपाल ने शिकायत की अनदेखी करते हुए क्षणिक लाभ के उसकी निजी जमीन गाटा संख्या 107 को निशाना बना दिया। बिना किसी सूचना या नोटिस के, जमीन पर जेसीबी चलवा दिया जिससे भारी नुकसान हुआ। जबकि रास्ते पर समस्या जस की तस बनी हुई है ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो रहा है। पीड़ित ने जब आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, तो लेखपाल ने वहां भी गलत रिपोर्ट प्रेषित कर मामले को गुमराह करने की कोशिश की और मामले को फर्जी ढंग से निस्तारण कर दिया पीड़ित ने इस अन्याय के खिलाफ जिलाधिकारी को पत्र लिखकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जिलाधिकारी से जांच के लिए गुहार लगाने के साथ-साथ प्रार्थी ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और नुकसान की भरपाई की मांग की है। इस घटना से क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है और लोग प्रशासन से न्याय की उम्मीद कर रहे हैं।

मदनी मस्जिद प्रकरण में यूपी सरकार के अफसरों को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

संवाददाता अख्तर हुसैन

कुशीनगर(उत्तरशक्ति)। मदनी मस्जिद के कुछ हिस्से तोड़ने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार के अफसरों को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसमें पूछा कि क्यों न उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए। कोर्ट ने साफ निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक किसी भी ढांचे को नहीं तोड़ा जायेगा। यह कोर्ट के पहले के आदेश की अवहेलना का गंभीर मामला माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर 2024 को बुलडोज? एक्शन पर रोक लगाई थी। कोर्ट ने उसी दिन साफ आदेश दिया था कि बिना किसी पहले सूचना और सुनवाई का मौका दिए किसी भी तरह की तोड़ फोड़ नहीं की जा सकती। मुस्लिम पक्ष के वकील अब्दुल कादिर अब्बासी ने बताया मदनी मस्जिद एक प्राइवेट लैंड है इसका गाटा नंबर 208 है।यह अजमतून निशा व उनके पुत्र जाकिर अली ने बैनामा लिया था उसी के अंदर यह मस्जिद बनी है। उन्होंने कहा जिस जमीन की बात हो रही है उस पर पहले से इलाहाबाद हाईकोर्ट से स्टे मिला है।इसके बाद भी हमें टाइम नहीं दिया गया। प्रशासन ने 21 दिसम्बर 2024 को जो नोटिस दिया था उसे हमारी पार्टी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चैलेंज किया है। वहाँ से 3 हफ्ते का स्टे आर्डर खत्म होते ही बुलडोज? लगा कर मस्जिद के कुछ हिस्से को तोड़ दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर 2024 के आर्डर में डिमोलीशन के खिलाफ जो फैसला दिया था उसे भी नजरअंदाज किया गया। पर्सनल हियरिंग का टाइम नहीं मिला कोई कारण नहीं बताया गया डिमोलीशन का आर्डर पास नहीं हुआ। इस डिमोलीशन के खिलाफ हमने पेटिशन फाइल की थी। इसमें डीएम, एसपी, सीओ कसया, एसडीएम हाटा नगर पालिका हाटा की ईओ को पार्टी बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्टे आर्डर करते हुए इन लोगों को नोटिस जारी किया है।

खेल से पैदा होती है आपसी मोहब्बत: आजम खान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के ग्राम मनेछा में मने छा कप सीजन-2 रूरल आउट क्रिकेट टूर्नामेंट समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मुहम्मद आजम खान के हाथों संपन्न हुआ। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया था। फाइनल मुकाबला शिव इलेवन खेतासराय और समीर कंपनी जौनपुर के बीच खेला गया। शिव इलेवन खेतासराय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 7 ओवरों में 36 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में समीर कंपनी जौनपुर ने 20 गेंदों में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। फाइनल मैच में वैभव ने अकेले 18 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। वहीं, समीर एंड कंपनी के पवन ने पूरे मैच में 7 विकेट लेने के साथ-साथ 5 रन बनाकर ३मैन ऑफ द सीरीज३ का खिताब जीता। खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए मुहम्मद आजम खान ने कहा कि खिलाड़ियों ने जिस तरह अपने हुनर का प्रदर्शन किया।वह काबिले तारीफ था। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल खेला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में युवा खेल के क्षेत्र में और सुधार करेंगे और अपने परिवार के साथ देश का भी नाम रोशन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि ३खेल से लोगों में मोहब्बत पैदा होती है और भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। खेल दिलों की दूरियां मिटाकर समाज में एकता और सौहार्द स्थापित करता है। खेल से इंसान शारीरिक रूप से मजबूत बनता है।इसलिए युवाओं को खेल के साथ-साथ पढ़ाई पर भी ध्यान देना चाहिए। समाज में अपनी पहचान बनाने के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। नौ जवान समय को व्यर्थ न गंवाएं बल्कि अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए मेहनत करें और अपने लक्ष्य को पाने के लिए संघर्ष करें। निश्चित रूप से सफलता आपके कदम चूमेगी। उन्होंने खुशी जाहिर की कि गांवों में भी खेलों के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ रही है और ग्रामीण युवा बड़े स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने आशा जताई कि ये युवा खेल के क्षेत्र में ऊंचाइयों तक पहुंचकर देश और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। विजेता और उपविजेता टीमों को साइकिल, ट्रॉफी और अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मैच में तालीब शेख (चौरसंड) और फरदीन खान (भुड़कु ड हां) ने कमेंट्री की। वहीं, अंपायरिंग की जिम्मेदारी अब्दुल रहमान, आरिज और समीउल्लाह ने निभाई। इस अवसर पर सिराज अहमद प्रधान, मुहम्मद आदिल, लुकमान, मुहम्मद आसिफ, नोमान, शहमा, अब्दुल्लाह, सकलैन, इमरान, अहमद, सलमान आदि विशेष रूप से मौजूद रहे। अंत में, मैच के संयोजक मुहम्मद साकिब और हुजैफा ने आए हुए मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

वी.टी. गर्ल्स इण्टर कॉलेज में छात्राओं को दी गई विदाई

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के वासुदेव तपेश्वरी गर्ल्स इण्टर कॉलेज में सोमवार को बारहवीं कक्षा की छात्राओं के लिए भव्य विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि प्रबन्धक अनिल कुमार उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।जिनमें नृत्य, गीत और नाट्य प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। वरिष्ठ छात्राओं ने विद्यालय में बिताए गए अपने अनुभवों को साझा किया और शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया। श्री उपाध्याय ने अपने संबोधन में छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा, शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी आपके जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब बेटी पढ़ती है तो उससे दो कुल शिक्षित होता है। इसीलिए बेटियों को समुचित शिक्षा प्रदान करना चाहिए। जो माता-पिता धर्म और उत्तरदायित्व होता है। कार्यक्रम में प्राचार्य विनय सिंह ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के महाविद्यालय में उत्साह के साथ प्रवेश लें महाविद्यालय आप सब के लिए ही है। कार्यक्रम के अंत में बारहवीं कक्षा की छात्राओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी ने मंगलकामनाएँ कीं। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या सुनीता मिश्रा ने आंगतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छात्रों के उज्ववल भविष्य की कामना की। इस दौरान कैप्टन राजेश यादव, विनोद कुमार मिश्र, सुनील कुमार उपाध्याय, किश्वर सुल्ताना, सुधा रानी, पण्डित अखिलेश मिश्र, विभा पाण्डेय, पूनम विश्वकर्मा, दिनेश यादव समेत आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अजय तिवारी ने किया।

बाइक की टक्कर से वृद्ध महिला और बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के जोगीबीर बाबा मंदिर पुल पर सोमवार की रात को बाईक की टक्कर से 65 वर्षीय महिला तथा बाईक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गये। क्षेत्र के जैतपुर गाँव निवासी इमरती देवी पत्नी भैरोलाल जोगीबीर बाबा मंदिर से घर आ रही थी। ऊक्त पूल पर सामने से तेज रफ्तार से रहे बाइक ने उनको टक्कर मार दिया। टक्कर मारने के बाद महिला तथा बाइक सवार भी बाइक सहित गिर गया। बाइक सवार रवि चौहान 30 वर्ष पुत्र विजय चौहान निवासी मुरारपुर थाना जलालपुर का निवासी है। दोनो घायलों को गश्त पर रहे कांस्टेबल आशुतोष मिश्र व अली ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नेहरूनगर भिजवाया। घटना की सूचना पर परिजन भी पहुंच गए।

नागा साधुओं व संतों का रेला पहुँचा दशाश्वमेध घाट, बाबा के जयकारों संग स्नान करने गंगा में उतरे

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के दशाश्वमेध घाट पर स्नान करने जाते नागा साधुओं व सन्तों का रेला। ढोल-नगाड़ों की करतल ध्वनि के साथ पालकी लेकर साधुओं का जत्था दशाश्वमेध घाट पर गंगा स्नान को घाट पर पहुंचा। आम जन-मानस ने किया बाबा के जयकारों संग

स्वागत हर जुबान बे महादेव का के साथ दृश्य ऐसा था के मानों लोग नागा साधुओं का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे! साधु-और संतों को स्नान में कोई दिक्कत न हो इसके लिए जल पुलिस ने व्यापक प्रबन्ध किए गए थे। नौकाओं को जहां 10 मीटर दूर बांधने को कहा गवया। इसके अलावा मन्दिर जाने वाले लोगों को भी लाइन लग कर ही दर्शन करने को कहा गया।

शादी का झांसा देकर कई महीनों तक युवक ने किया शारीरिक शोषण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के सारनाथ थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती।की शिकायत पर एक युवक पर शादी का झांसा देकर शोषण करने का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। युवती के अनुसार चोलापुर थाना क्षेत्र के निवासी ने शादी का वादा कर रिंग रोड पर एक होटल पर बुलाया और शारीरिक संबंध बनाया।बाद में जब युवती ने शादी की बात की तो युवक मुकर गया। तब युवती ने तहरीर देकर युवक पर मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

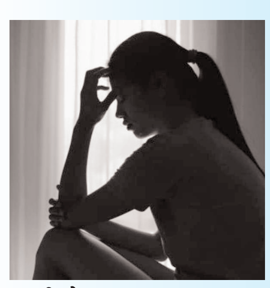

राधेश्याम बने संघर्ष समिति के अध्यक्ष और राजीव महासचिव

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर के जंघई रोड पर मंडी समिति के पास स्थित भारतीय किसान यूनियन के कार्यालय पर सोमवार शाम को एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें यूनियन के लोग व नगर सहित क्षेत्र के प्रबुद्धजन शामिल हुए। बैठक में हिन्दू इण्टर कॉलेज की लगभग पांच बीघा बेशकीमती जमीन को तत्कालीन दिवंगत धोखाधड़ी के आरोपी तथाकथित प्रबंधक जयराम तिवारी द्वारा मूल तथ्यों को छिपा कर अपने नाम कराने, कूट रचित प्रपत्रों, मृतकों व सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर द्वारा प्रबंध समिति का गठन कर कालेज को हथियाना तथा अन्य हुए फजीर्वाड़ा के संबंध में संघर्ष समिति का गठन हुआ। जिसमें पूर्व अपर महानिदेशक राधेश्याम पाण्डेय अध्यक्ष ,महासचिव पूर्व नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजीव कुमार गुप्त राजू,चन्द्रशेखर शुक्ला विधिक सलाहकार व कोषाध्यक्ष संदीप केसरी बनाए गए। नव नियुक्त महासचिव राजीव गुप्त राजू ने इस लड़ाई को मंजिल तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाकर जगह जगह बैठक कर जागरूक करने का सुझाव दिया। उन्होंने अगली बैठक आगामी रविवार को नागा बाबा की कुटी गुड़ाई में तीन बजे दिन में करने की घोषणा किया।भाकियू के प्रदेश सचिव राजनाथ यादव ने संघर्ष समिति व सयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त बैनर तले लड़ाई लड़ने की घोषणा किया। संचालन संस्थापक पौत्र व वरिष्ठ पत्रकार बृजेश कुमार गुप्त ने किया। आभार ज्ञापन पत्रकार शुभम कुमार गुप्त ने किया। अंत में कालेज में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रर्दशन कर रोष व्यक्त किया गया। मुख्य रूप से देवी प्रसाद गुप्त गुड्डू, राधेश्याम मल्लू, राकेश कुमार ऊमर वैश्य, एडवोकेट अशोक कुमार विश्वकर्मा, आदर्श दूबे रुद्रा, लालबहादुर पाल, विभोर कुमार, चंचल कुमार, बाबू लाल पटेल, दयाराम सरोज, राकेश कुमार मौर्या, सुनील यादव, राम सूरत, धर्मराज पटेल आदि मौजूद थे।

मैजिक के धक्के से महिला की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के चंदवक थाना क्षेत्र के आजमगढ़- वाराणसी मार्ग पर कनौरा गांव में दवा लेने जा रही मजदूर की पत्नी को मैजिक ने टक्कर मार दी, जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई। हादसे में वाहन चालक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना का कारण वाहन का स्टेयरिंग फेल होना बताया जा रहा है। चालक का इलाज सीएचसी में चल रहा है। कनौरा गांव निवासी जयकरन राम की 45 वषीर्या पत्नी लालती देवी कंजहित पैदल बच्ची के लिए दवा लेने जा रही थी। गांव में ही आजमगढ़ की तरफ से राजमार्ग पर आ रही मैजिक ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। चालक वाराणसी के महेशपुर निवासी दीपक भी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व परिजन महिला व चालक को सीएचसी डोभी ले गए जहां डाक्टर ने महिला को देखते ही मृत घोषित कर दिया, चालक का इलाज चल रहा है। पुलिस वाहन को कब्जे में ले लिया। मृत महिला का पति भट्ठे पर काम करता है।

घर से स्कूल के लिए निकली छात्रा संदिग्ध परिस्थियों लापता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने घर से स्कूल के लिए निकली 17 वर्षीय नाबालिग छात्रा संदिग्ध परिस्थियों में लापता हो गई है। परिजनों ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि उनकी 17 वर्षीय बेटी घर से 13 फरवरी को सुबह 9 बजे घर से निकल कर स्कूल गई हुई लेकिन देर शाम तक जब वह नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी जिसके बाद भी छात्रा नहीं मिल सकी तो परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। बीते पांच दिनों से नाबालिग छात्रा का अभी तक पता न चलने से परिजन काफी परेशान हैं। फिल्हाल इस मामले में पुलिस प्राप्त तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

पंवारा पुलिस ने वारण्टी को किया गिरफ्तार

पंवारा,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद जौनपुर के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष पवाँरा के उ0नि0 लक्ष्मण प्रसाद शर्मा मय हमराही कर्मचारीगण द्वारा वारन्टी ताड़कनाथ शर्मा पुत्र राममूरत शर्मा निवासी ग्राम सरावा थाना पवारा जनपद जौनपुर को उनके घर ग्राम सरावा से गिरफ्तार किया गया।

मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी 22 व 23 फरवरी को

राजकीय अलंकृत उद्यान कम्पनी बाग कचहरी वाराणसी में होगा आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया है कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राजकीय अलंकृत उद्यान कम्पनी बाग कचहरी वाराणसी में 22 एवं 23 फरवरी 2025 को मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जनपद के इच्छुक कृषक अपने फल, शाकभाजी एवं पुष्प के उत्कृष्ट कोटि के नमूनों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित कर सकते हैं।जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि पुरस्कार हेतु प्रदर्शनी का निरीक्षण 22 फरवरी 2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे किया जायेगा। कृषकों को 22 फरवरी 2025 को सुबह 07:00 बजे तक प्रविष्टियां निर्दिष्ट स्थान पर लगानी होंगी। प्रतियोगिता में व्यक्तिगत वर्ग में विशेष पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार रू0 500 (रूपया पॉच सौ मात्र) द्वितीय पुरस्कार रू0 400 (रूपया चार सौ मात्र) तृतीय पुरस्कार रू0 300 (रूपया तीन सौ मात्र) सभी वर्ग में देय होगा। प्रदर्शनी हेतु दिशा-निर्देश एवं श्रेणी आदि से सम्बन्धित सहायता के लिए 21 फरवरी तक जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर कार्यालय अथवा प्रदर्शनी प्रभारी सत्यभान सिंह मोबाइल नम्बर 7007284234 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

मिशन शक्ति फेज-5 अभियान में पुलिस ने जगह-जगह चौपाल लगाकर किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना अभियान 'मिशन शक्ति फेज-5' के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा ग्राम/कस्बा/ मौहल्ला/ शिक्षण संस्थानों इत्यादि पर भ्रमण/चौपाल लगाकर छात्राओं/बालिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों, वूमेन पावर लाइन-1090, यूपी-112, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर किया गया जागरूक। उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना 'मिशन शक्ति अभियान फेज-5' के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद जौनपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, जौनपुर के निर्देशन में 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों की एण्टीरोमियों टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे में पंपलेट बांटकर जागरुक किया गया।

जफराबाद यूनियन बैंक जहां पब्लिक का काम करने से कतराते हैं कर्मचारी

- दो हजार से कम निकासी के लिये ग्राहकों को भेजा जाता है सेवा केन्द्र
- दस से बीस रुपए प्रति हजार सेवा केन्द्र करते हैं चार्ज
- पासबुक प्रिन्टिग आदि कार्यो के लिये प्रिन्टर खराब व कर्मचारी न होने का दिया जाता है हवाला

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद लगन शुरू होते ही बाजारों में हलचल बढ़ गयी है। ऐसे में पैसे के लेन देन में बैंकों को बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैंकिग सुविधा देखें तो यहाँ की प्रमुख बैंक यूनियन जो कि कस्बे के मुख्य बाजार में स्थित है। और यहाँ पर ए टी एम की सुविधा भी है।मगर वो सिर्फ बैंकिंग टाइम के लिए हैं, मतलब बैंक बंद तो ए टी एम बंद। या फिर यू कह लें कि बैंकिग टाइम से दो घंटे पहले ही बैंक के चैनल गेट बंद कर गॉर्ड द्वारा बैंक पब्लिक के लिये बंद बताया जाने लगता है। और सबसे खास बात तो यह है कि सब कुछ जानते हुए बैंक प्रबन्धक खामोश हैं। आप इस बैंक शाखा में दिन के तीन बजें के बाद अपने किसी बैंकिग से संबंधित आवश्यक कार्य हेतु प्रवेश नही कर सकते। जिसके चलते आम नागरिकों सहित व्यापारियों व दूर दराज से बाजारों में खरीददारी के लिए आये ग्राहकों की काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र के सुनील कुमार, प्रकाश कुमार, इजहार हुसैन, सुशीला देवी बताती हैं कि बैंकिग समय तक ए टी चलने से काफी दिक्कतें हो रही हैं। पासबुक प्रिंटिंग में प्रिंटर खराब और ऑपरेटर न होने का हवाला देकर ग्राहकों को टाल दिया जाता है। इसके अलावा सरकारी योजना के पैसे जिसमे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंसन, किसान सम्मान निधि के खाता धारकों को तो उनके आये पैसों की जानकारी देना तो छोड़िए यदि किसी को 2 हजार के नीचे का निकासी हो तो उसे बाजारों से पैसे निकालने को बोल वापस कर दिया जाता है। ऐसे में 2 हजार रुपये की सम्मान निधि निकालने के लिए उन किसानों को अलग से 20 रुपये खर्च करने पड़ते है। सेवा केन्द्र करते हैं दस से बीस रुपए चार्ज। एक तरफ जहां बैकों द्वारा ग्राहकों को छोटी मोटी रकम के लिये बैंको द्वारा ग्राहकों को सेवा केन्द्र भेज दिया जाता है वहीं पर सेवा केन्द्र एक हजार की निकासी पर उनकी खाते से दस से बीस रुपए बढ़ा कर राशि को काट लेते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि किसी ग्राहंक को एक हजार की राशि निकालनी होती है तो सेवा केन्द्र उसके खाते से 1010 राशि का डिडक्शन करते हैं। बोले एल. डी.एम. यूनियन बैंक के एल डी एम शंकर सामन्त ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने जफराबाद ब्रांच की जांच की जायेगी। साथ ही किसी भी सेवा केन्द्र द्वारा पैसे की निकासी में एक रुपए भी अधिक लेने का दोषी पाये जाने पर उसका लाइसेन्स निरस्त कर दिया जायेगा।

अंधेरी में महिलाओं का सुंदरकांड पाठ

मुंबई। सामाजिक संस्था पीएस फाउंडेशन ने समस्त मानव कल्याण के उद्देश्य से मंगलवार को अंधेरी (पूर्व) के एमआईडीसी स्थित संस्था कार्यालय पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया,जिसमें महिलाओं ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया। इस इस मौके पर व्यासपीठ बैठीं उर्मिला यादव ने हनुमान जी की महिमा और उनके प्रताप का सुंदर शब्दों में गुणगान किया। कार्यक्रम आयोजक पुष्पा त्रिपाठी ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन समस्त मानव जाति के कल्याण और उनके सुख, शांति के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पीएस फाउंडेशन के अध्यक्ष व सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा, महिला स्वावलंबन समिति की प्रमुख स्वीकृति शर्मा, सामजसेवी प्रमोद श्यामाचरण पाण्डेय, सरिता दुबे, रीता सरोज, प्रभावती यादव, प्रभावती राजभर, संध्या राजभर, सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

मंदिरो का महाकुंभ:आयटीसीएक्स २०२५ में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गोवा के मुख्यमंत्री एक मंच पर

मुंबई। तिरुपति के आशा कन्वेन्शन सेंटर में १७ फरवरी को सम्पन्न हुए आंतरराष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी २०२५ यानी आयटीसीएक्स २०२५ के उद्घाटन समारोह में भारत के मंदिरों के विरासत को पुनः जागृत करने की मुहिम पर प्रतिष्ठित व्यक्तित्व, मीडिया, भक्त और भागीदार एकत्र हुए थे। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम आयटीसीएक्स के अध्यक्ष और महाराष्ट्र विधान परिषद के मुख्य प्रतोद प्रसाद लाड और आयटीसीएक्स और टेम्पल कनेक्ट के संस्थापक गिरीश कुलकर्णी की अगुवाई में आयोजित किया गया और अंत्योदय प्रतिष्ठान के सहयोग से हो रहा है। कार्यक्रम का प्रारंभ पनवेल, नवी मुंबई के युवा नाद ढोल ताशा पथक के वादन से हुआ। रंग-बिरंगे पोशाकों में युवा छात्रों के द्वारा किए गए वादन ने सभा में सकारात्मकता का संचार किया। ह्यश्री हरि गोविंदह्ल का मंत्र आसमान में गूंजता रहा। इस वादन से महाराष्ट्र की प्राचीन परंपराओं को पुनर्जीवित किया गया। दुनिया के सबसे बड़े मंदिर उत्सव की शुरूआत पुजारी महाराज ने गणेश स्थापना, आशीर्वचन और गणपति अथर्वशीर्ष पाठ से की, जिससे सभा में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। मान्यवरों ने दीप प्रज्वलित कर ईश्वर और पुजारी महाराज का आशीर्वाद लिया। दीप प्रज्वलन के साथ ही इस समारोह के आध्यात्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए देश के सर्वोच्च कार्यालय से एक विशेष पत्र प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयटीसीएक्स २०२५ - मंदिरों का महाकुंभ पर अपने संदेश में धन्यवाद व्यक्त किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनजी भागवत ने भी टेम्पल कनेक्ट द्वारा मंदिरों को एकजुट करने के लिए आईटीसीएक्स २०२५ के माध्यम से किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए एक आभासी संदेश दिया, जिसमें उन्होंने २०२३ में पहले संस्करण की सफलता के बाद इसके असाधारण विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा, पूर्वकाल में मंदिर भारतीय समाज के सांस्कृतिक, शैक्षिक, आध्यात्मिक, आर्थिक और सामाजिक केंद्र हुआ करते थे। आज भी, सनातन परंपरा का पालन करने वालों में मंदिरों के प्रति अपार श्रद्धा है।

सस्टेनेबल कैस्टर एसोसिएशन ने सस्टेनेबल फार्मिंग किए गए कैस्टर के प्रमुख LCA श्रेणियों में महत्वपूर्ण सुधारों की घोषणा की

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय राउंड टेबल इवेंट के दौरान, जो मुंबई में आयोजित हुआ, स्फेरा सॉल्यूशंस ने भारत के कैस्टर क्षेत्र में किसानों के व्यापक फील्ड अध्ययन का सारांश प्रस्तुत किया। क्षेत्रीय औसत की तुलना में, जो किसान SuCCESS सस्टेनेबल फार्मिंग कोड के तहत शिक्षित और प्रमाणित किए गए थे, उन्होंने सभी प्रमुख LCA प्रभाव श्रेणियों में लगभग 30% का सुधार दिखाया (ISO 14040/44 मानक- क्रैडल टू फार्म-गेट परिधि)। इस राउंड टेबल इवेंट में विश्वभर के विभिन्न देशों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आयोजन से पहले, इसके 30 सदस्य कंपनियों के लिए गुजरात के खेतों का एक फील्ड ट्रिप आयोजित किया गया, जहाँ उपस्थित मेहमानों को SuCCESS फार्मिंग कोड के प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला। इवेंट के दौरान, स्फेरा सॉल्यूशंस ने 2022-2023 के फील्ड मूल्यांकन के मात्रात्मक परिणाम प्रस्तुत किए, जिसमें प्रमाणित और गैर-प्रमाणित किसानों की तुलना की गई थी। SuCCESS प्रमाणित फार्मों ने ISO 14040/44 मानकों और एव PEF श्रेणियों के अनुसार GWP/जलवायु परिवर्तन, संसाधन उपयोग (जीवाश्म ईंधन की कमी) और हर F (जल दुर्लभता पदचिह्न) में लगभग 30% सुधार दिखाया। इन विस्तृत परिणामों को सदस्य कंपनियों के साथ साझा किया जाएगा ताकि उनके सस्टेनेबल कैस्टर वैल्यू चेन के प्रभाव को और मजबूत किया जा सके।

राहुल प्रजापति का मनाया गया जन्म दिवस

मुंबई। मुंबई ठाणे से चलकर आए भारतीय समता समाज पार्टी के समाजसेवी जाफराबाद विधानसभा मीडिया प्रभारी राहुल प्रजापति का जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी निलेश प्रजापति, अनीश प्रजापति, अनिल प्रजापति, संदीप प्रजापति, बाबा प्रजापति, सचिन प्रजापति, सिंगर सचिन सागर किक इंडिया होम के ओनर बागेश्व पांडे, ओम साईं राम गैरेज ओनर अरुण प्रजापति, प्रजापति दिनेश, भारतीय समता समाज पार्टी, ब्लॉक अध्यक्ष राकेश प्रजापति, पंकज तिवारी व चंदन महाकाल पत्रकार उपस्थित रहे।

केतकीपाड़ा के लोगों की 'आखिरी उम्मीद' बनकर सामने आये जनसेवक गोपाल शेट्टी

बोरीवली, मुबई। संजय गांधी नेशनल पार्क की सीमा से सटे दहिसर के केतकीपाड़ा में छोटे मोटे व्यवसाय कर किसी तरह जीवनयापन कर रहे लोगों के व्यवसाय स्थल को तोड़कर जमींदोज करने की वन विभाग की नोटिस के बाद केतकीपाड़ा के लोगों का दर्द छलका तो 'आखिरी उम्मीद' लिए भारी संख्या में यहां के लोगों ने उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के कार्यालय पहुंचकर बचा लेने की गुहार लगाई। उनके सिर पर वन विभाग की तोड़क कार्रवाई की लटकती तलवार देखकर व्यथित हुए जनसेवक गोपाल शेट्टी ने केतकीपाड़ा के लोगों से वादा किया है कि अब उनकी लड़ाई वे खुद लड़ेंगे और उसे अंजाम तक पहुंचाकर ही दम लेंगे।

इस संदर्भ में जनसेवक गोपाल शेट्टी का कहना है कि वर्ष 1997 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के उपरांत यहां वन विभाग की जमीन पर बने सभी कमर्शियल (व्यावसायिक) स्ट्रक्चर्स पहले ही तोड़े जा चुके हैं। जिसे अब लगभग 27 साल बीत भी चुके हैं। माननीय सर्वोच्च अदालत के आदेश का हम सम्मान करते हैं। पर केतकीपाड़ा के मामले में स्पष्ट कर दूं कि यहां के व्यावसायिक स्थल कामर्शियल नहीं बल्कि सेमी-कामर्शियल हैं। वन विभाग के तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने पूरी बात माननीय अदालत के समक्ष तब रखी ही नहीं थी। ऐसे में पूरा मामला उलझ गया। नरेंद्र मोदी जी ने एक कानून ही पास करा दिया था जिसमें स्पष्ट उल्लेख था कि वन विभाग में बने स्ट्रक्चर्स तब तक नहीं तोड़े जाएंगे जब तक वहां के लोगों को पयार्यी जगह नहीं उपलब्ध कराई जाए। ऐसे कानून के रहते केतकीपाड़ा में सेमी कामर्शियल 100-50 फीट में व्यवसाय करनेवालों को कामर्शियल प्रतिष्ठानों के रूप में देखना ठीक नहीं है। तकनीकी रूप से इन्हें कामर्शियल मान भी लें तब भी इनके लिए पयार्यी व्यवस्था भी मोदी जी द्वारा बनवाये गए कानून अंतर्गत करनी आवश्यक है। जनसेवक शेट्टी के अनुसार 1997 से लेकर अबतक विभिन्न सरकारें आईं पर केतकीपाड़ा के लोगों को पयार्यी जगह देने के संदर्भ में किसी ने कोई कदम नहीं उठाया। इसमें केतकीपाड़ा के लोगों का क्या दोष है। केतकीपाड़ा के लोग सरकारी जमीन पर बसे हैं या नहीं इसके लिए वन विभाग सर्वे भी कराकर यह भी निर्धारित करे कि वन विभाग की सीमा कहाँ तक है और केतकीपाड़ा का कितना हिस्सा वन विभाग की जमीन पर बसा है। मीडिया से बात करते हुए जनसेवक शेट्टी ने आगे कहा कि केतकीपाड़ा और अन्य इलाकों के सर्वे कराने का वे प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और वन विभाग के अधिकारियों की एक ज्वाइंट मीटिंग के प्रयास में हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि ्रकेतकीपाड़ा के लोगों का दर्द मैं समझता हूँ, इसलिए उनका पूरा साथ देते हुए योग्य कदम उठाऊंगा और उन्हें न्याय दिलाकर ही दम लूंगा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने की स्वास्थ्य विभाग में भर्ती एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

रीवा (उत्तरशक्ति)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपालमें लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में भर्ती प्रक्रिया और अधोसंरचना विकास कार्यों की वृहद समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकीय, सहायक चिकित्सकीय एवं नर्सिंग ऑफिसर पदों की भर्ती प्रक्रिया की गहन समीक्षा की और समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक प्रस्ताव लोक सेवा आयोग (पीएससी) एवं कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) को शीघ्र भेजे जाएं और भर्ती से संबंधित समस्त औपचारिकताओं को जल्द पूरा किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग में पदोन्नति के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मेडिकल संस्थानों में मैनपावर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि प्रदेश के नागरिकों को सुचारु रूप से स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। उन्होंने नवीन ज़िला चिकित्सालयों के निर्माण कार्यों की व्यापक समीक्षा की और निर्देश दिए कि कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाए। अधोसंरचना विकास के कार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जाए। प्रमुख सचिव संदीप यादव, आयुक्त तरुण राठी, एवं संचालक प्रवीण सिंह अढ़ायच सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग द्वारा प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

रीवा (उत्तरशक्ति)। महाकुंभ में सम्मिलित हो रहे यात्रियों को जिला रीवा में यात्रा के दौरान रेस्टोरेंट/ढाबा संचालक /होटल द्वारा अधिक कीमत पर खाद्य सामग्री विक्रय की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर रीवा द्वारा खाद्य सुरक्षा प्रशासन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,नापतौल विभाग की संयुक्त टीम का गठन किया है। टीम द्वारा होटल द हेरीटेज, NH7 रीवा की जाँच की गई कार्यवाही के दौरान अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण करने तथा वेज नॉनवेज खा पदार्थ एकसाथ संग्रहित पाए जाने से प्रकरण पंजीबद्ध किया गया एवं टीम द्वारा पनीर व दालचीनी की लीगल नमूना कार्रवाई की गई है ।टीम द्वारा होटल landmark की जाँच की गई जिसमें कलर, हींग, दाल मक्का ३ के नमूने लिए गए नाप तौल विभाग द्वारा अप्रमाणित तौल काँटा पाए जाने से जब्त किया गया । टीम द्वारा hotel स्वयंवर मैरिज गार्डन मानस भवन के पीछे रीवा से मानक स्तर की जाँच हेतु रंगीन सौंफ एवं दालचीनी के नमूने लिए गए। वेज नॉनवेज खाद्य पदार्थ एकसाथ संग्रहित पाए जाने से प्रकरण पंजीबद्ध किया गया नाप तौल विभाग द्वारा अप्रमाणित तौल काँटा पाए जाने से जब्त किया गया । इसके पश्चात team द्वारा hotel celebration & utopia restaurant अमैया में कार्यवाही की गई । दही व पनीर के नमूने लिए गए व वेज नॉनवेज खा पदार्थ एकसाथ संग्रहित पाए जाने से प्रकरण पंजीबद्ध किया गया नाप तौल विभाग द्वारा अप्रमाणित तौल काँटा पाए जाने से जब्त किया गया। कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे, साबिर अली, नापतोल से सहायक नियंत्रक विजय खातरकर , खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग से गौरी mishra सम्मिलित रहे।

सांसद डॉ. हेमन्त सांवरा ने की रेल मंत्री से वार्ता

वसई। पालघर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की वसई-विरार शहर नगर निगम सीमा के भीतर प्रस्तावित रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के लिए। अनुमोदन हेतु सांसद डॉ. हेमन्त विष्णु सावरा ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात करते हुए बताया कि पालघर जिले के वसई में अलकापुरी (वसई और नालासोपारा स्टेशन के बीच)- पश्चिम रेलवे, ओस्तवाल नगरी (विरार और नालासोपारा स्टेशन के बीच)- पश्चिम रेलवे प्रस्तावित रेलवे फ्लाईओवर को भू-तकनीकी जांच के साथ पूरा कर लिया गया है और रेलवे दिशानिर्देशों के अनुसार सामान्य व्यवस्था स्केच (जीएडी) तैयार किया गया है। यह मंजूरी काफी समय से लंबित है, इसलिए इस प्रस्ताव को तुरंत मंजूरी दी जाए, सांसद डॉ. हेमन्त सावरा, केन्द्रीय रेल मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने इस मांग पर मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दीया हे और सांसद डॉक्टर हेमंत सांवरा ने बताया कि इन फ्लाईओवरों की मंजूरी से स्थानीय यात्रियों को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी। दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा और परिवहन सुविधाएं मिलने से विकास में तेजी आएगी। दूसरा नासिक-पालघर रेल कॉरिडोर और पोर्ट कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने की मांग बजट सत्र के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री नई दिल्ली में अश्विनी वैष्णवजी के साथ मुलाकात में बात किया था। इसी समय एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया कि नासिक-पालघर रेलवे कॉरिडोर आदिवासी क्षेत्रों से होकर गुजरना चाहिए और यह मांग की गई कि बंदरगाह को जोड़ने के लिए पालघर में एक विशेष गलियारा या अधिक ट्रेन स्टॉप होना चाहिए। पालघर और पूरे क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए हैं और मंत्री ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

रीवा-जोगिनहाई टोल प्लाजा प्रयागराज मार्ग में व्यवस्था देखने पहुंचे विधायक नागेंद्र सिंह

-संदीप सोनी

चाकघाट, रीवा (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज महाकुंभ में पर्व स्नान तथा अमृत स्नान होगा। एवं महाशिवरात्रि 26 फरवरी को भी विशेष पर्व स्नान होंगे। इन अवसरों पर तीर्थयात्रियों के बड़ी संख्या में रीवा-प्रयागराज मार्ग से प्रयागराज जाने वाले सड़क पर वाहनों फल खिचड़ी वितरण किया गया। विधायक ने कहा है कि तीर्थयात्रियों के अस्थाया रूप से ठहरने, भोजन, पानी, शौचालय, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक तैयारियाँ की गई है। वाहनों के आने जाने का सुचारू रूप से चालू किया गया। किसी भी यात्री को रीवा जिले से गुजरते हुए किसी भी तरह की परेशानी न हो ऐसी व्यवस्थ किया गया है। जोगिनहाई टोल प्लाजा रायपुर के भाटी भी लगातार अपनी सेवा दे रहे ।समाजसेवियों ने वहां पर रहे हैं।

महात्मा फुले शिक्षण संस्था द्वारा संचालित राजे शिवाजी विद्यालय (प्राथमिक विभाग) धारावी में शिखर फाउन्डेशन एवम फार्मूला ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में चित्रकला प्रतियोगिता और मैजिक शो का आयोजन सभी विद्यार्थियों के लिए किया गया। प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता स्पर्धा में मुख्य रूप से उपस्थित संस्था की ट्रस्टी स्वाति प्रमोद होलमुखे ने नन्हे मुन्ने बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया। छाया: उत्तरशक्ति

अगले दो दशकों में भारत बनेगा 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था: पीयूष गोयल

मुंबई। टाइम्स ग्रुप ET नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 में भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अगले दो दशकों में 30 से 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने भारत के दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टिकोण को समझाते हुए कहा कि नवाचार, उद्यमशीलता और समावेशी विकास पर हमारा ध्यान इस सपने को हकीकत में बदलेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और यह अनुमान से पहले ही संभव हो सकता है। उन्होंने देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को इसकी वजह बताया। उन्होंने कहा, आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इस अस्थिर माहौल में स्थिरता का प्रतीक बना हुआ है। हमारे मजबूत आर्थिक आधार, रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार और संतुलित चालू खाता घाटा हमारी इस मजबूती के सबूत हैं। भारत की आर्थिक प्रगति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश का वैश्विक प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इसका कारण मैन्युफैक्चरिंग और नवाचार को दिया गया प्रोत्साहन और सरकार की समावेशी, महिला-नेतृत्व वाले विकास के प्रति प्रतिबद्धता है। भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा, आज भारत ह्यग्लोबल साउथ की आवाज बन चुका है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व आर्थिक नीतियों को दिशा दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि ्रहमारा मजबूत औद्योगिक तंत्र और आत्मनिर्भर भारत की ओर हमारा लगातार बढ़ता कदम, देश को एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बना रहा है। श्री गोयल ने भारत की आर्थिक तरक्की में महिलाओं की अहम भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति की कहानी में महिलाओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। एक दशक पहले कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 11% थी, जो आज बढ़कर लगभग 45-50% हो गई है। नारी शक्ति भारत के भविष्य को नया आकार दे रही है। टाइम्स ग्रुप एळ नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 का दूसरा दिन भी पहले दिन की तरह प्रभावशाली रहा। दिलचस्प सत्रों के जरिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका पर विचार-विमर्श आगे बढ़ा। इस दौरान नेताओं ने नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता में भारत की मजबूती को रेखांकित किया।

नेमेत्चेक ग्रुप-इंडिया ने ऑलप्लान एडवांटेज के जरिए इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन के भविष्य को आकार देने पर दिया जोर

मुंबई। नेमेत्चेक इंडिया ने मुंबई में सफलतापूर्वक ALLPLAN Advantage इवेंट का आयोजन किया, जिसमें इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर के अग्रणी विशेषज्ञ, इनोवेटर्स और दूरदर्शी नेता एक साथ आए। इस विशेष और आमंत्रण-आधारित कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को नेमेत्चेक के ऑलप्लान (ALLPLAN) सॉल्यूशंस की परिवर्तनकारी शक्ति को समझने का अवसर प्रदान किया। इस इवेंट ने पेशेवरों को इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन को सहज रूप से एकीकृत करने में सक्षम बनाया, जिससे परियोजना जीवनचक्र में बेजोड़ सटीकता, दक्षता और सहयोग सुनिश्चित किया जा सके। प्रतिभागियों ने अनुभव किया कि ऑलप्लान, जो कि बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (BIM) सॉफ़्टवेयर सॉल्यूशंस का एक वैश्विक अग्रणी ब्रांड है, इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के पेशेवरों को भविष्य की आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) विकसित करने में कैसे सक्षम बनाता है। इवेंट में कनेक्टेड कंस्ट्रक्शन वर्कफ़्लो, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए बेहतर समन्वय, फैब्रिकेशन और कंस्ट्रक्शन के बेहतरीन तालमेल, और क्लाउड-आधारित अंतःविषय (इंटरडिसिप्लिनरी) सहयोग पर चर्चा की गई। इसके अलावा, प्रतिभागियों ने SDS2 के बारे में भी जानकारी प्राप्त की, जो कि मार्केट का एकमात्र ऑल-इन-वन स्टील डिटेलिंग और कनेक्शन डिजाइन सॉल्यूशन है। इस इवेंट के प्रमुख वक्ताओं में शामिल थेः निर्मल्या चटर्जी, कंट्री वीपी और मैनेजिंग डायरेक्टर (इंडियन सबकॉन्टिनेंट), नेमेत्चेक इंडिया, एडुआर्डो लाजारोट्टो, चीफ प्रोडक्ट एंड स्ट्रैटेजी ऑफिसर, ऑलप्लान, जाद एल आलम, डायरेक्टर ऑफ प्रोडक्ट्स, ऑलप्लान, रैमन स्टेन्स, सेल्स डायरेक्टर, ऑलप्लान, ग्रेगर स्टेलेक, प्रोडक्ट मैनेजर (इन्फ्रास्ट्रक्चर), ऑलप्लान, डेविड जबका, प्रोडक्ट मैनेजर (प्रीफैब्रिकेशन), ऑलप्लान इन विशेषज्ञों ने बताया कि ऑलप्लान के इनोवेटिव सॉल्यूशंस किस प्रकार अएउ (आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन) इंडस्ट्री में सहयोग और परियोजना निष्पादन को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं, जिससे उत्पादकता बढ़ रही है और गलतियों में कमी आ रही है। हम इस इवेंट के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के भविष्य पर चर्चा करने और ऑलप्लान के नवाचारों को पेश करने के लिए इंडस्ट्री के विचारशील नेताओं को एक मंच पर लाकर बेहद उत्साहित हैं। यह कार्यक्रम केवल हमारे समाधानों की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित करने का अवसर नहीं था, बल्कि सहयोग को बढ़ावा देने और भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में इक्ट तकनीक को अपनाने को भी प्रेरित करने का जरिया था। ऑलप्लान के चीफ प्रोडक्ट एंड स्ट्रैटेजी ऑफिसर, एडुआर्डो लाजारोट्टो ने कहाः ALLPLAN Advantage इवेंट उद्योग के सबसे दूरदर्शी पेशेवरों से संवाद करने का एक शानदार मंच था। हम भारत में अपने ग्राहकों को अधिक दक्षता, उत्पादकता और सहयोग प्राप्त करने में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और इस इवेंट ने यह प्रदर्शित किया कि हमारी सॉफ़्टवेयर सॉल्यूशंस इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन के भविष्य को कैसे आकार दे रही हैं। इस कार्यक्रम ने एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग अवसर भी प्रदान किया, जहां विशेषज्ञों और इनोवेटर्स ने एक साथ मिलकर अएउ इंडस्ट्री में नवीनतम रुझानों और तकनीकों पर चर्चा की। ऑलप्लान के विशेषीकृत सॉफ़्टवेयर सॉल्यूशंस ब्रिज, टनल और स्टील डिटेलिंग जैसे विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर डोमेन के लिए व्यापक उपकरण प्रदान करते हैं, जो दुनिया भर में जटिल संरचनाओं के डिजाइन और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत में कृषि ड्रोन की दिशा बदलने वाला स्काईलार्क ड्रोन्स का नया सॉफ्टवेयर लॉन्च

मुंबई। ड्रोन समाधान देने वाली प्रमुख स्टार्टअप कंपनी स्काईलार्क ड्रोन्स ने हिसार में आयोजित कृषि दर्शन एक्सपो 2025 में डीएमओ-एजी सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। भारत में कृषि ड्रोन क्षेत्र में हो रहे तेज विकास को ध्यान में रखते हुए, यह एक ऐसा अनोखा सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म है जो किसानों को ड्रोन के इस्तेमाल से संबंधित सभी कार्यों में मदद करेगा। यह प्लेटफॉर्म देशभर में कृषि ड्रोन को संचालित करने और उनका प्रबंधन करने का तरीका बदलने के लिए तैयार है। यह लॉन्च इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत का कृषि क्षेत्र सरकारी पहलों और सटीक कृषि समाधान की बढ़ती मांग से प्रेरित होकर तेजी से ड्रोन टेक्नोलॉजी अपना रहा है। डीएमओ-एजी प्लेटफॉर्म, जो एक एकीकृत समाधान प्रदान करता है, बाजार में मौजूद अंतर को पाटता है और किसानों, ड्रोन ऑपरेटर्स, मेंटेनेंस टीमों और कृषि रसायन कंपनियों को एक साथ लाता है। मृणाल पई, को-फाउंडर, स्काईलार्क ड्रोन्स ने कहा, डीएमओ-एजी के साथ, हम कृषि उद्योग में एक परिवर्तनकारी बदलाव की उम्मीद करते हैं। हम ड्रोन टेक्नोलॉजी को सभी तक पहुंचाकर सटीक खेती को बढ़ावा देना चाहते हैं, जिससे पैदावार बढ़ेगी, लागत घटेगी और कृषि प्रणालियां अधिक स्थायी बनेंगी। हमारा डीजीसीए-अनुपालन वाला प्लेटफॉर्म न केवल किसानों को सशक्त बनाएगा, बल्कि ड्रोन सेवा प्रदाताओं और पायलटों को भी रीयल-टाइम जानकारी, ऑटोमेशन और राजस्व प्रबंधन से सशक्त बनाएगा, जिससे भारतीय कृषि अधिक कुशल, डेटा-आधारित और भविष्य के लिए तैयार हो सकेगी। डीजीसीए-कॉम्प्लाएंट प्लेटफॉर्म में कई महत्वपूर्ण फीचर्स हैं, जैसे रीयल-टाइम फ्लीट मैनेजमेंट, फसल-विशेष सिफारिशें और स्वचालित तरीके से फसलों की सेहत की निगरानी रखना - जो सभी स्थानीय भाषाओं में एक सहज इंटरफेस के जरिए सुलभ हैं। यह व्यापक समाधान सभी प्रमुख ऑटोपायलट-सक्षम कंट्रोलर के साथ काम करता है, जिससे यह भारत के विविध कृषि परिदृश्य के लिए एक बहुपरकारी उपकरण बन जाता है।

राकेश जैन ठाणे जिला मनसे के व्यापारी सेना के संगठक नियुक्त

मुंबई। मनसे के संस्थापक अध्यक्ष राज ठाकरे के निर्देश पर मनसे व्यापारी सेना के अध्यक्ष यशवंत किल्लेदार ने सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं व्यापारी राकेश जैन को ठाणे जिला मनसे व्यापारी संगठक नियुक्त किया है। राकेश जैन की नियुक्ति पर ठाणे पालघर मनसे के जिलाध्यक्ष अविनाश जाधव, रविंद्र मोरे (ठाणे शहर अध्यक्ष, मनसे), विनायक नलावड़े, समाजसेवी एवं व्यापारी निर्मल जैन, सुभाष जैन, मनीष जैन, राकेश फारिया, मुकेश धनरेषा, नरेश जैन, ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रदान किया है।

भाजपा वसई विरार संगठन को दी बधाई

मुंबई। दादर स्वामीनारायण मंदिर के हॉल में भारतीय जनता पार्टी की संगठन बैठक में वसई विरार जिले के नालासोपारा विधानसभा ने सदस्य पंजीकरण अभियान में लगभग ९0,000 सदस्यों का पंजीकरण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले और कार्यकारी अध्यक्ष रवीन्द्र चव्हाण सहित जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील मंडल अध्यक्ष राजन नाइक को बधाई दी गयी। इस मौके पर राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री शिव प्रकाश, भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, डॉ. हेमन्त सवारा, धैर्यशील मोहिते पाटिल, प्रदेश महासचिव. विक्रांत पाटिल, प्रदेश महासचिव राजेश पांडे, प्रदेश महासचिव माधवी नाइक ताई, महेश चौघुले, स्नेहताई दुबे, रवीन्द्र अनासपुरे, शैलेन्द्र दलवी एवं अन्य गणमान्य नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रूस और अमेरिका के बीच वार्ता सऊदी अरब में ही क्यों, मतभेद के बावजूद ट्रंप ने इसे क्यों चुना?

नई दिल्ली। यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका और रूस के बीच वार्ता सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हो रही है। गाजा पर ट्रंप के कब्जे वाले प्लान के खिलाफ सऊदी अरब खुलकर उतर चुका है। उसने साफ कर दिया है कि गाजा से फलस्तीनियों को हटाने की हर कोशिश का विरोध करेंगे। मगर सवाल यह है कि इतने मतभेद के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप ने वार्ता के लिए सऊदी अरब को ही क्यों चुना? जो बाइडन के कार्यकाल में सऊदी अरब ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सहयोगी के तौर पर अपनी निर्भरता को अमेरिका से काफी कम किया। अधिकांश वैश्विक मामलों में सऊदी अरब ने तटस्थ रुख अपनाया। चीन और रूस जैसे देशों से नजदीकी भी बढ़ाई। डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव जीतने पर सऊदी ने खुले तौर पर स्वागत किया। इस तटस्थ रूख की वजह से रूस को भी सऊदी अरब में बैठक आयोजित करने पर कोई आपत्ति नहीं थी।

पिछले कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात (वअए) के बीच समझौता करवा चुके हैं। अब वह अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर सऊदी अरब और इजरायल के बीच शांति समझौता करवाना चाहते हैं। वार्ता के लिए सऊदी अरब को चुनने के पीछे एक यह भी वजह मानी जा रही है। अगर रूस-अमेरिका वार्ता से कोई हल निकलता है तो इसका श्रेय सऊदी अरब को भी जाएगा। सऊदी अरब पिछले कई साल से अपनी छवि को बदलने में जुटा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन शांति वार्ता के लिए सऊदी अरब को इसलिए चुना गया है, क्योंकि यह रूस और अमेरिका दोनों के लिए अनुकूल जगह है। पुतिन से बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने ही यह विचार रखा था। सऊदी अरब में हो रही वार्ता ट्रंप और पुतिन की मुलाकात का मार्ग प्रशस्त करेगा। सउदी अरब के क्राउन प्रिस मोहम्मद बिन सलमान के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बेहद अच्छे संबंध हैं। यही वजह है ट्रंप के प्रस्ताव पर पुतिन ने कोई आपत्ति नहीं जताई। सऊदी अरब के अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध भी एक वजह हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिस मोहम्मद बिन सलमान ने चार वर्षों में अमेरिका में 600 बिलियन डॉलर के निवेश का वादा किया है। डोनाल्ड ट्रंप का सऊदी अरब से खास लगाव है। वे समय-समय पर इसको जाहिर करते हैं। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में अपनी पहली विदेश यात्रा में सऊदी अरब गए थे। दूसरी बार राष्ट्रपति संभालने के बाद उन्होंने पहली कॉल सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस सलमान को की थी। 2020 में डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। हार के बावजूद सऊदी अरब ने ट्रंप से अपने मजबूत व्यापारिक संबंध बनाए रखे।

महात्मा फुले शिक्षण संस्था द्वारा संचालित राजे शिवाजी विद्यालय(प्राथमिक विभाग) धारावी में शिखर फाउन्डेशन एवम फामूर्ला ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में चित्रकला प्रतियोगिता और मैजिक शो का आयोजन सभी विद्यार्थियों के लिए किया गया। प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता स्पर्धा में मुख्य रूप से उपस्थित संस्था की ट्रस्टी स्वाति प्रमोद होलमुखे ने नन्हे मुन्ने बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया ।

महाराष्ट्र में पहली बार TiLoop रिकंस्ट्रक्शन सहित रोबोटिक निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी

मुंबई। कैंसर दुनिया की एक ऐसी बीमारी है जिससे आज भी लोग सबसे ज्यादा डरते हैं। लेकिन चलती आ रही इन चुनौतियों से निपटने के लिए कैंसर निदान तकनीकों और प्रौद्योगिकीय विकास की सहायता से कैंसर का शीघ्र पहचान करना संभव हुआ है जिसके परिणामस्वरूप संभावित जीवन अवधि में सुधार हुआ है और कैंसर देखभाल की अंतर को पाटने में मदद मिली है। कैंसर के खिलाफ जंग जारी है और आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर उपचारों का पुनोर्त्थान हुआ है, नतीजतन कैंसर देखभाल में बहुत तेजी से सुधार हुआ है और रोगियों की जीवन गुणवत्ता भी बढ़ी है। ऐसी कई प्रगतियों में से, रोबोटिक निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी (RNSM) के साथ TiLoop इम्प्लांट रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी एक अभूतपूर्व ब्रेस्ट सर्जरी के रूप में विकसित हुई है।

एक चिकित्सीय नवाचार के अंतर्गत, नवी मुंबई स्थित अपोलो कैंसर सेंटर ने महाराष्ट्र की पहली TiLoop रिकंस्ट्रक्शन वाली रोबोटिक निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी सफलतापूर्वक पूरा किया है - जो ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम और ब्रेस्ट रिकंस्ट्रक्शन में एक प्रमुख सर्जिकल प्रक्रिया है। यह उपलब्धि रोगियों में सुरक्षित कैंसर प्रक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति को रखांकित करने के साथ-साथ काफी हद तक एस्थेटिक भी होता है।

अपोलो कैंसर सेंटर, नवी मुंबई में कंसल्टेंट, ब्रेस्ट सर्जन डॉ. संदीप बिप्ते की अगुआई में कुशल मल्टीडिसिप्लिनरी चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक सर्जरी पूरी की। श्रीमती ज्योति (अनुरोध पर नाम बदला गया है), 43 वर्षीय महिला, को 2024 में दाएं स्तन में कैंसर होने का पता चला। उनकी आयु को ध्यान में रखते हुए जेनेटिक परीक्षण किया गया, जिसके परिणाम में BRCA जीन पॉजिटिव आया। इसका अर्थ है कि जीवन काल में उनके बाएँ स्तन में कैंसर विकसित होने का जोखिम 70-80% है। छह महीने पहले उन्होंने दाएं स्तन की ब्रेस्ट-कंजर्विंग सर्जरी करवाई लेकिन उसके बाद बाएं स्तन की प्रोफाईलैक्टिक मास्टेक्टॉमी करवाने से डर रही थीं क्योंकि ऐसी रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी एक बहुत बड़ी सर्जरी होती है जो शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से पीड़ा दायक होता है। पर फिर भी दूसरे स्तन में कैंसर बनने का डर उन्हें सता रहा था। श्रीमती ज्योति जी को रोबोटिक निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी के बारे में जानकारी मिली जिसके साथ इमीडियेट रिकंस्ट्रक्शन भी किया जाता है, तब उन्होंने डॉ. बिप्ते से परामर्श किया और उन्होंने RNSM - एक एडवांस्ड टेक्नीक जो विशेष रूप से BRCA-पॉजिटिव महिलाओं में प्रोफाईलैक्टिक ब्रेस्ट सर्जरी के लिए विकसित की गई है - की सुरक्षा, प्रभावशीलता और बेहतर कॉस्मेटिक परिणामों के संबंध में आश्वासन दिया। सर्जरी के लाभों को समझकर राजी होने के बाद, 3 जनवरी, 2025 को TiLoop के उपयोग से इमिडियेट रिकंस्ट्रक्शन के साथ RNSM सर्जरी करवाई। सर्जरी लगातार चार घंटों तक चली और कॉस्मेटिक परिणाम बढ़िया रहे। अगले ही दिन छुट्टी भी दे दी गई और अब वे बिना किसी दिक्कत के और तेजी से रिकवर कर रही हैं।

RNSM प्रक्रिया के कई मुख्य लाभ हैं- जिसमें त्वचा और निप्पल का संरक्षण, स्तन की प्राकृतिक बाह्याकृति बनी रहना, स्तन पर कोई निशान नहीं दिखाई देना और बढ़िया कॉस्मेटिक परिणाम मिलना है। इसके अलावा, पारंपरिक मास्टेक्टॉमी की तुलना में बेहतर संवेदन संरक्षण भी प्रदान करता, मिनिमली इनवेसिव अप्रोच होने के कारण जख्म तेजी से भरता है और कम से कम असुविधा होती है जबकि रोगी को कोई शारीरिक क्षति नहीं होती।

सर्जिकल तकनीकों में प्रगति के साथ, मॉडर्न रिकंस्ट्रक्शन विकल्पों सहित कंबाइंड रोबोट निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी एक मिनिमली इनवेसिव, अधिक सुरक्षित और सौंदर्य की दृष्टि से श्रेष्ठतर विकल्प प्रदान करता है। यह अप्रोच ट्रॉमा घटाने, रिकवरी तेज करने और रोगियों में समग्र स्वास्थ्य परिणामों को सुधारने के माध्यम से ब्रेस्ट कैंसर और प्रोफाईलैक्टिक सर्जरी में एक नया मानक स्थापित करता है।

अपोलो कैंसर सेंटर में मेडिकल ऑन्कोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट एवं पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता, डॉ सुरेश एच. आडवाणी ने कहा, यह सर्जरी, जो महाराष्ट्र की पहली TiLoop रिकंस्ट्रक्शन वाली रोबोट निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी है, मात्र एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह करुणामय कैंसर केयर को समझकर इसे लगातार विकसित करने के बारे में है। यह अप्रोच रोगियों की गरिमा और भावना को प्राथमिकता देते हुए उपचार के मानकों को बढ़ाता है। अपोलो कैंसर सेंटर, नवी मुंबई के कंसल्टेंट-ब्रेस्ट सर्जन डॉ. संदीप बिप्ते ने कहा, TiLoop रिकंस्ट्रक्शन वाली रोबोटिक निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और इनोवेटिव सर्जिकल तकनीकों के तालमेल को उजागर करता है, जिससे रोगियों को एक सुरक्षित, कम आक्रामक और अधिक प्रभावपूर्ण उपचार विकल्प मिलते हैं।

बैंगलोर के अपोलो कैंसर सेंटर में ब्रेस्ट ऑन्कोलॉजी की लीड एंड रोबोटिक सर्जन डॉ. जयंती थमसी ने कहा, ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी विकसित हो रही है, जिससे महिलाओं को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। कैंसर विजेता श्रीमती ज्योति ने कहा, मुझे नवी मुंबई के अपोलो कैंसर सेंटर में एक जीवन बदलने वाला अनुभव मिला, जिसके लिए मैं आभारी हूँ। डॉ. संदीप बिप्ते और उनकी विशेषज्ञ टीम की बदौलत मुझे गर्व के साथ अपना जीवन जीने का दूसरा मौका मिला है। सफल सर्जरी और तेज रिकवरी से मुझे काफी उम्मीद मिली है। इस उन्नत उपचार से मैं सशक्त बनी हूँ, मुझमे हिम्मत जगी है और मैं आभारी हूँ कि इससे मेरा आत्म-बोध बढ़ा है और अपने स्वास्थ्य पर नियंत्रण पा सकी हूँ। अब मैं कैंसर के डर से मुक्त होकर खुल कर जीवन जीने पर ध्यान दे सकती हूँ।

महाकुंभ के कारण 17 ट्रेनें रद,19 ट्रेनों का रूट बदला

प्रयागराज। महाकुंभ में उमड़ रही भीड़ के चलते रेलवे अधिकतम विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है, लेकिन इसके चलते लगातार दैनिक व लंबी दूरी की ट्रेनों को रद करने का क्रम भी जारी है। अब पुरुषोत्तम एक्सप्रेस समेत 17 ट्रेनों को रद करने की सूची जारी कर दी गई है।

हावड़ा सुपरफास्ट, कालका-हावड़ा, जम्मूतवी, विक्रमशिला एक्सप्रेस जैसी विशेष ट्रेनें शामिल हैं, जबकि 19 ट्रेनों का रूट बदल दिया गया है। इसके अलावा चार ट्रेनों को आंशिक रूप से रद किया गया है। कुछ ट्रेन रोक कर भी चलाई जाएंगी। जिन ट्रेनों का रूट बदला गया है, उनमें से 12 से ज्यादा ट्रेनों को प्रयागराज जंक्शन की जगह छिवकी और कानपुर सेंट्रल से संचालित किया जाएगा।

जिन ट्रेनों का रद किया गया है, उनमें 12802 नई दिल्ली से पुरी के बीच में चलने वाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस 18 और 19 फरवरी को रद रहेगी। कालका से हावड़ा के बीच में 12312 कालका-हावड़ा एक्सप्रेस का संचालन भी इन्हीं तिथियों पर नहीं होगा।

वहीं, 19 फरवरी को रद की गई ट्रेनों में 22308 बीकानेर-हावड़ा, 18310 संबलपुर-जम्मू तवी, 18102 जम्मू तवी-टाटा नगर, 12368 नई दिल्ली भागलपुर, 22466 आनंद विहार-मधुपुर, 19045 सूरत-छपरा व 19483 अहमदाबाद-बरौनी शामिल है। इसके अलावा 12176 ग्वालियर-हावड़ा, 22911 इंदौर-हावड़ा, 01025 दादर बलिया, 01027दादर-गोरखपुर, 15160 दुर्ग-छपरा, 11055 लोकमान्य तिलक-.गोरखपुर, 11059 लोकमान्य तिलक-छपरा, 12428 आनंद विहार-रीवां शामिल है।

अब इन ट्रेनों में जिन यात्रियों की सीट पहले से आरक्षित थी, उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्हें यात्रा के लिए अब दूसरा विकल्प तलाशना पड़ रहा है, लेकिन दूसरी ट्रेनों में आरक्षित सीट नहीं मिल पा रही है।

प्रयागराज नहीं आएंगी ये ट्रेनें

ट्रेनों का मार्ग बदलने के कारण प्रयागराज जंक्शन पर कई ट्रेनें नहीं आएगी। इसमें 11061-लोकमान्य तिलक ट.-मानिकपुर -छिवकी -वीएचके -वाराणसी -जौनपुर -औंरिहार होकर चलेगी। इसी तरह 11062-जयनगर-लोकमान्य तिलक, 11033 पुणे दरभंगा, 11034 दरभंगा पुणे छिवकी होकर चलेंगी। 11071 लोकमान्य तिलक, 11072 बलिया-लोकमान्य तिलक, 22129 लोकमान्य तिलक-अयोध्या कैंट, 22130 अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक प्रयागराज की जगह झांसी रेलवे स्टेशन होकर चलेगी।

22683 यशवंतपुर-लखनऊ, 22684 लखनऊ-यशवंतपुर, 12330 आनंद विहार ट.-सियालदह, 12329 सियालदह-आनंद विहार, 22104 अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक, 22103 लोकमान्य तिलक-अयोध्या कैंट, 15017 लोकमान्य तिलक-गोरखपुर, 15018 गोरखपुर लोकमान्य तिलक, 15657 दिल्ली कामाख्या, 12506 आनंद विहार ट.-कामाख्या, 15633 बीकानेर-गुवाहाटी कानपुर सेंट्रल होकर चलेगी। इसी तरह 14118-17 भिवानी-प्रयागराज अब कानपुर सेंट्रल से ही संचालित होगी। इसी तरह 14115-16 डॉ. आंबेडकर नगर-प्रयागराज का संचालन प्रयागराज की जगह अब 27 फरवरी तक खजुराहो से होगा।

चॉकलेट चुराने के आरोप में किशोरी की हत्या, कपल गिरफ्तार

नई दिल्ली। पाकिस्तान में एक कपल को 13 वर्षीय किशोरी के मर्डर के शक में हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि किशोरी ने कथित तौर पर चॉकलेट चुराए थे, जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। लड़की की पहचान इकरा के तौर पर हुई है, जिसके शरीर पर जख्म के कई निशान थे और उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने पाया है कि उसे काफी टॉर्चर किया गया था। इकरा आरोपियों के घर मेड का काम करती थी। रावलपिंडी से मामला सामने आने के बाद काफी बवाल खड़ा हो गया और सोशल मीडिया पर जस्टिस फॉर इकरा के हैशटैग ट्रेंड करने लगे। इस घटना ने पाकिस्तान में घरेलू कामकारों के खिलाफ हो रहे दुर्व्यवहार और चाइल्ड लेबर के खिलाफ बहस छेड़ दी है। बता दें कि पाकिस्तान में 15 साल के कम उम्र के बच्चे घर में नौकर के रूप में काम पर नहीं रखे जा सकते। इकरा के पिता सनाउल्लाह ने कहा कि उसकी मौत के बाद मैं अंदर से पूरी तरह टूट गया। इकरा के पिता ने बताया कि परिवार कर्ज में था, इसलिए इकरा ने 8 वर्ष की उम्र से ही मेड के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था। वह कपल के घर पिछले 2 साल से काम करने जा रही थी और उसे 2500 रुपये हर महीने मिलते थे। पुलिस के मुताबिक, इकरा पर उसके मालिक ने चॉकलेट चुराने का आरोप लगाया और इसके बाद उसे काफी टॉर्चर किया गया। इकरा को प्रताड़ित करने के कई सबूत मिले हैं। उसके हाथों और पैर में कई फ्रैक्चर थे और उसके सिर में भी गहरी चोट थी।

राजभर समाज ने मनाई उल्लास नगर में सुहेलदेव जयंती

कल्याण(उत्तरशक्ति)। राजभर समाज सेवा संघ (महाराष्ट्र) द्वारा श्रावस्ती भर सम्राट महाराजा सुहेलदेव जी की १०१६ वीं जयंती उल्लास नगर में धूमधाम से मनाई गई। समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में मौजूद सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र राजभर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जयंती समारोह के इस शुभ अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मैं खुद को बहुत ही सौभाग्यशाली समझता हूं कि महाराष्ट्र की इस धरती पर राजभर समाज सेवा संघ (महा.) द्वारा आयोजित इस भव्य महाराजा सुहेलदेव जी की जयंती समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने सुहेलदेव जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए समाज से आह्वान किया कि सभी लोग एक जुट होकर देश के हर कोने में सुहेलदेव जी की जयंती का आयोजन करें व उनके आदर्शो, शौर्य व विरता की गाथा को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। उनके आदर्शो का अनुसरण करते हुए आपस में भाई चारे का संवाद स्थापित करते हुए दुःख सुख का साथी बनें। संघ के संस्थापक अध्यक्ष लालमनी राजभर ने कहा की सबसे पहले मैं आप लोगों को कृपाशंकर सिंह पूर्व गृह राज्यमंत्री जो इस समारोह के प्रमुख अतिथि हैं अस्वस्थता की वजह से समारोह में नहीं आ सके पर उन्होंने एक संदेश राजभर समाज के लिए हमारे माध्यम से जरूर भेजा है। संदेश मैं कृपाशंकर सिंह श्रावस्ती भर सम्राट सुहेलदेव जी के आदर्शों का पालन करने में विश्वास रखता हूं मैं हमेशा राजभर समाज को अपना मानता हूं अगर राजभर समाज हमारे नाम के आगे कृपाशंकर सिंह के बजाय कृपाशंकर राजभर भी लिख देगा तो भी हमें कोई आपत्ती नही होगी। सुहेलदेव जयंती के इस शुभ अवसर पर समस्त राजभर परिवार को मेरी शुभकामनाएं इन संदेशों को पढ़ने के बाद लालमनी राजभर ने कहा की कृपाशंकर सिंह सदैव राजभर समाज के लोगों के बीच दुःख सुख में साथ खड़े रहते हैं। उनके जैसा नेता आज के समय में बहुत कम ही मिलते हैं। संघ के संस्थापक महामंत्री रमाकांत राजभर ने भी अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष तारकेश्वर राय ने समारोह में आए हुए सभी अतिथियों व सम्मानित सभी समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन अड संतलाल भारद्वाज ने किया समारोह में पप्पू राजभर ने अपनी गायकी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया इस अवसर पर अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी त्रिलोकी राजभर, प्रतिष्ठित व्यवसायी विनय शुक्ला, नान्हक राजभर, बलिराम राजभर, इंद्रदेव राय, ओमप्रकाश यादव, स्वाभिमान पार्टी के प्रधान जी, रामप्रवेश राजभर, सालवी जी, हीरा भारद्वाज, रामदुलारे राजभर, जीतू भारद्वाज, राजेश राजभर, राममिलन राजभर, धर्मा देवी राजभर, रामसरेख राजभर, राम आधार राजभर, व संघ के कार्याध्यक्ष सतीसचन्द्र राजभर, महामंत्री विधानचंद राजभर, व. उपाध्यक्ष राजनाथ राय, फूलचंद राजभर, बालकिशन राजभर, छेदीलाल राजभर, अजय कुमार राजभर, रामभुवन राजभर, ओमप्रकाश राजभर,(छेदी) चंदू राजभर, भुल्लन राजभर, प्रहलाद राजभर, अशोक राजभर, रमेश राजभर, अनिल राजभर, रामप्रताप राजभर, अरविंद राजभर, रामबाबू राजभर, रामबदन राजभर, विनय राजभर, हरिश्चन्द्र राजभर, पृतमदेव राजभर व भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

व्हीलचेयर से आजादी: 10 साल बाद अपने पैरों पर खड़ी हुई नन्हीं परी

नारायणा हेल्थ एनएच एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में सर्जरी रही सफल

मुंबई। मुंबई के नारायणा स्वास्थ्य एसआरसीसी बाल चिकित्सा अस्पताल ने नाइजर से आई 10 वर्षीय बच्ची की दुर्लभ बीमारी टेथर्ड कॉर्ड सिंड्रोम का सफलतापूर्वक इलाज किया। यह एक जटिल शल्यचिकित्सा (सर्जरी) थी, जिसके लिए उन्नत चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता थी। नाइजर में इस तरह की जटिल प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक आधुनिक तकनीक उपलब्ध न होने के कारण बच्ची को मुंबई लाया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों (डॉक्टरों) की टीम ने उसका सफल उपचार किया।

बचपन से ही इस बीमारी से जूझ रही बच्ची की स्थिति समय के साथ और गंभीर होती चली गई। इस जटिल शल्यचिकित्सा को मुंबई के प्रतिष्ठित बाल स्नायु शल्य चिकित्सक (पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जन) डॉ. सौरव के. सामंतराय ने कुशलतापूर्वक अंजाम दिया। जन्म के समय ही उसे टेथर्ड कॉर्ड सिंड्रोम के साथ रीढ़ की वसा गांठ (स्पाइनल लिपोमा) की समस्या थी, जिसका सही समय पर इलाज न होने के कारण उसके निचले अंगों में लकवा आ गया, उत्सर्जन पर नियंत्रण खत्म हो गया और रीढ़ की हड्डी में विकृति आ गई। नारायणा स्वास्थ्य एसआरसीसी बाल चिकित्सा अस्पताल में भर्ती होने के बाद चिकित्सकों की एक विशेष टीम ने मिलकर उसके इलाज की योजना बनाई। इस प्रक्रिया में बाल स्नायु शल्य चिकित्सक (पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जन) ने रीढ़ की हड्डी (स्पाइनल कॉर्ड) की शल्यचिकित्सा की, जबकि बाल अस्थि रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सर्जन) ने कूल्हे और पैरों की समस्याओं को ठीक किया। मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरोलॉजिस्ट) ने मूत्राशय (ब्लैडर), आंत और गुर्दे (किडनी) की तकलीफों का इलाज किया, वहीं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथैरेपी) और पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) विशेषज्ञों की टीम ने उसके संपूर्ण स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस जटिल शल्य चिकित्सा के लिए ऑपरेशन के दौरान तंत्रिका निगरानी (न्यूरोमॉनिटरिंग) और एक विशेष सूक्ष्मदर्शी (माइक्रोस्कोप) का उपयोग किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया अत्यधिक सावधानी और सटीकता के साथ पूरी की गई। चूंकि यह बीमारी पुरानी हो चुकी थी, इसलिए शल्य चिकित्सा चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने इसे सफलतापूर्वक अंजाम दिया। पाँच घंटे तक चली इस प्रक्रिया के दौरान रोगी की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया और ऑपरेशन पूरी तरह से बिना किसी समस्या के संपन्न हुआ। शल्य चिकित्सा के बाद रोगी को वार्ड में रखा गया, जहाँ उसकी पूरी निगरानी की गई। आश्चर्यजनक रूप से, ऑपरेशन के बाद उसे बहुत कम पीड़ा हुई, जिसे औषधियों से नियंत्रित कर लिया गया। शल्य चिकित्सा के घाव भी तेजी से भरने लगे और चौथे दिन मूत्र रोग विशेषज्ञों (यूरोलॉजी टीम) ने उसका मूत्र नली (कैथेटर) हटा दिया। इस दौरान चिकित्सकों ने उसकी माँ को ₹स्वच्छ अंतराल मूत्र विसर्जन (क्लीन इंटरमिटेंट कैथेटराइजेशन - सीआईसी) तकनीक का प्रशिक्षण दिया, जिसमें हर चार से पाँच घंटे में एक विशेष रबर नली का उपयोग कर मूत्राशय को खाली किया जाता है। इसका उद्देश्य संक्रमण को रोकना और गुर्दों को किसी भी प्रकार की क्षति से बचाना था। ऑपरेशन के छठे दिन से पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) और भौतिक चिकित्सा (फिजियोथैरेपी) विशेषज्ञों ने उपचार शुरू किया। उसके लिए विशेष रूप से ₹कमर-घुटना-पैर सहारा यंत्र₹ (हिप-नी-फुट ऑर्थोसिस - एचएफकेओ) तैयार किया गया, जिससे खड़े होने और चलने में सहायता मिल सके। यह क्षण उसके जीवन का सबसे अनमोल पल था, जब वह पहली बार अपने पैरों पर खड़ी हुई और धीरे-धीरे चलने की कोशिश की। भले ही उसे सहारा लेना पड़ा, लेकिन यह उसके लिए एक नया अध्याय था, जो उसके जीवन को पूरी तरह बदलने वाला था। नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई में वरिष्ठ सलाहकार और बाल तंत्रिका शल्य चिकित्सक (पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जन) डॉ. सौरव के. सामंतराय ने कहा कि जब इस बच्ची को पहली बार अपने पैरों पर खड़े होते और सहारे के साथ चलते देखा, तो पूरी टीम के चेहरे पर खुशी छा गई। क्योंकि यह बीमारी लंबे समय से थी, इसलिए शल्य चिकित्सा काफी चुनौतीपूर्ण रही। करीब पाँच घंटे चले ऑपरेशन में अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के

TSMH
त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
पीडियाट्रिक्स
डी.एम. नियोनेटोलॉजी
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद
वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग लकवा पैरालाइसिस, निमोनिया, लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर मलेरिया, डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्नपन मस्तिष्क ज्वर, पीलिया, हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा नवजात शिशु, बच्चों एवं व्यस्को का निःशुल्क इलाज।
पूर्वांचल के एक मात्र सुपरस्पेसिलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर | 05452-356274, 7992031213, 9026551423 | YouTube @TribhuvanSinghMemorialHospital

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिनियर रेजि. एल.बी.एस. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
ए.एस.बी. हॉस्पिटल, नई दिल्ली
संजय गाँधी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व असि0 प्रोफेसर एच.आई.एम.एस. लखनऊ
सुविधाएं- अल्ट्रासाउण्ड, ई.सी.जी., एक्स-रे, पैथोलॉजी,सी0टी0जी0 मशीन, कालपोस्कोपी, फेक्चर, गठिया. कमर. दर्द. ऑथराईटिस. फिजियोथिरैपी. कल्हा प्रत्यारोपण
सिजेरियन डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन, ट्यूमर का ऑपरेशन, नसबन्दी इत्यादि।
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की सुविधा उपलब्ध
हड्डी रोग विभाग | स्त्री एवं प्रसूति विभाग
24/7 Emergency Services
प्रत्येक गुरुवार निःशुल्क ओ0पी0डी0
संपर्क करें- 6390303050
पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर
प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रूपये तक का इलाज पूर्णतया निःशुल्क। इलाज के दौरान दवा, जाँच जैसे कि एक्स-रे इत्यादि पूर्णतया निःशुल्क